दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

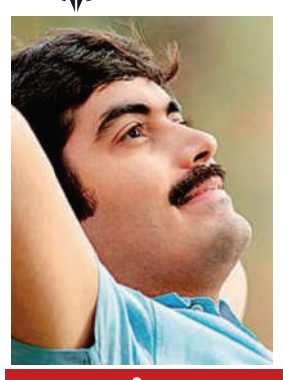

अमन लेखनी

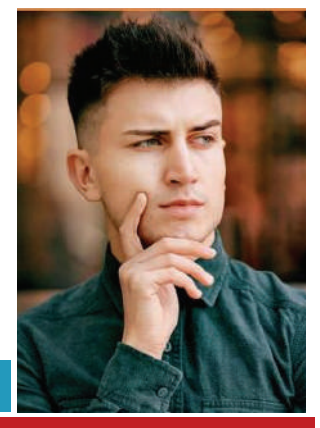

तेज रफ्तार से थका मन.....
न तो वीकनेस न ही .....

वर्ष : 12 | अंक : 55 | लखनऊ, 16 फरवरी, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि त्योहार, पीएम समेत कई नेताओं ने दीं बधाई

काशी से लेकर हरिद्वार और देवघर से लेकर उज्जैन तक, शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ा। भक्त आराध्य देव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए घंटों लंबी कतारों में लगे थे

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

हर-हर महादेव के उद्घोष और भक्ति के असीम उत्साह के साथ रविवार को पूरे देश में महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया गया। काशी से लेकर हरिद्वार और देवघर से लेकर उज्जैन तक, शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। भक्त अपने आराध्य देव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए घंटों लंबी कतारों में लगे थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और पीएम नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर लिखा कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। मेरी प्रार्थना है कि महादेव की कृपा हम सभी पर सदा बनी रहे और हमारा देश प्रगति के पथ पर सदैव अग्रसर रहे।

देशभर में 'बम-बम भोले' की गूंज

सभी शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने भी दी बधाई

हरिद्वारा कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर, जिसे भगवान शिव की ससुराल माना जाता है

भारतवर्ष समृद्धि के शिखर पर विराजमान हो: पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि मेरी कामना है कि आदिदेव महादेव सदैव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। उनके आशीर्वाद से सबका कल्याण हो और हमारा भारतवर्ष समृद्धि के शिखर पर विराजमान हो। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने लिखा कि सभी देशवासियों को भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।

महादेव का आशीर्वाद बना रहे: रेखा गुप्ता

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने राजस्थान के उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने महादेव से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद दिल्ली और समस्त देशवासियों पर बना रहे, और हम सभी को सेवा और लोककल्याण के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें।

ईशा फाउंडेशन के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह बोले सत्य ही शिव है

तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र में 33वें महाशिवरात्रि उत्सव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने आदियोगी शिव को नमन करते हुए सभी भक्तों को शुभकामनाएं दीं। कहा कि जो सत्य है वही शिव है, शिव आदि, अनंत और शाश्वत हैं।

अमृता का 'शंभू रे' गाना रिलीज 55 लाख लोगों ने देखा

एक्ट्रेस-गायिका और सामाजिक कार्यकर्ता अमृता फडणवीस ने महाशिवरात्रि पर अपना नया गाना शंभू रे भगवान शिव को समर्पित किया है। नया गाना महादेव के भक्तों को खूब पसंद आ रहा है और दो दिन में 55 लाख लोगों ने इसे यूट्यूब पर देखा और सराहा।

खबर संक्षेप

शिअद में शामिल हुए भाजपा उपाध्यक्ष खन्ना

चंडीगढ़। पंजाब में संगरूर से विधानसभा चुनाव लड़ चुके भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद

खन्ना शिअद में शामिल हो गए हैं। महाशिवरात्रि के दिन शिअद प्रमुख सुखबीर बादल अरविंद खन्ना के संगरूर स्थित निवास स्थान पर पहुंचे और अरविंद खन्ना को पार्टी में शामिल करवाया। अरविंद खन्ना भाजपा के वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष थे।

सराज में जीप दुर्घटनाग्रस्त 3 युवकों की मौत

थुनाग (मंडी)। हिमाचल प्रदेश के सराज में 4 में से 3 युवकों की जीप दुर्घटनाग्रस्त होने पर मौत हो गई।

चारों बगस्याड़-रहीधार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल पहुंचने के दौरान दम तोड़ दिया। एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद नेरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

कर्नाटक में फैक्टरी में धमाका, 2 मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या जिले में रविवार को केरेकाटे गांव के पास स्थित एक केमिकल फैक्टरी में

स्टोरेज टैंक फटने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक धमाका उस समय हुआ जब फैक्टरी को दूसरी जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही थी और टैंक की सफाई की जा रही थी।

बस और कार में टक्कर, 5 युवकों की मौत

बेंगलुरु। बंगलूरू के नेलमंगला के एक कार और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की बस के

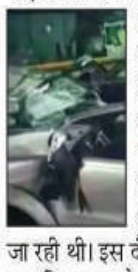

बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि कार बेंगलुरु की ओर जा रही थी। इस दौरान अचानक कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राहुल को दी किसी भी मंच पर आने की चुनौती

कहा- बहस कर लें, किसानों का नुकसान किसने किया, कांग्रेस 'गुमराह' कर रही

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में भारत की पहली सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर प्रहार किया और यूएस ट्रेड डील पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं कि यूरोपीय यूनियन, इंग्लैंड के साथ एफटीए और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हित को नुकसान पहुंचाया है। मैं राहुल गांधी को चैलेंज देना चाहता हूं, कोई भी मंच तय कर लीजिए, भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा कि किसानों का नुकसान किसने किया है।

शाह ने कहा कि समझौतों में डेयरी क्षेत्र को भी पूरी तरह सुरक्षा देने का काम पीएम मोदी ने किया है। इसके माध्यम से हमारे कृषि उत्पाद और मत्स्य उत्पादों को दुनिया के बाजार में पहुंचाने का रास्ता भी खोला है

भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा

- मनमोहन सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन कर विश्व बाजार खोला
- पीएम मोदी किसानों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े हुए

गुजरात के गांधीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह

पीएम ने किसानों को पूरी सुरक्षा दी

शाह ने कहा किराहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं और किसानों को गुमराह कर रहे हैं। इंग्लैंड और यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफटीए और अमेरिका से हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हितों की सुरक्षा की है।

पीएम मोदी ने डंकल समझौता बदलकर देश को बचाया

शाह ने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन करके किया था। देश की जनता ने 2014 में कांग्रेस को 'टाटा बाय-बाय' कर दिया, पीएम मोदी आए और उस समझौते को बदल दिया।

राहुल गांधी ने पूछे 5 सवाल?

- डीजीजी इंपोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स अनाज खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?
- अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?
- जब आप 'अतिरिक्त उत्पाद' कहते हैं, तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?
- 'गैर-व्यापार बाधाएं' हटाने का क्या मतलब है? क्या भविष्य में भारत पर जीएम फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद प्रक्रिया को कमजोर करने या एमएसपी और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?
- एक बार यह दरवाजा खुल गया, तो हर साल इसे और ज्यादा खुलने से हम कैसे रोकेंगे? क्या इसकी रोकथाम होगी या हर बार सौदे में धीरे-धीरे और भी फसलों को मेज पर रख दिया जाएगा?

कांग्रेस ने कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाया

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने 70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया। पीएम मोदी ने 10 साल से 6,000 रुपए प्रति वर्ष देकर किसानों को लोन लेने की नौबत ही न आए, ऐसी व्यवस्था की। कांग्रेस का नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा है। कांग्रेस बताए किसानों का कितना अनाज खरीदा था?

डील किसानों के साथ विश्वासघात: राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के किसानों के साथ विश्वासघात करने का बड़ा आरोप लगाया है। राहुल ने कहा कि अमेरिका ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं।

केंद्र ने स्टार्टअप फंड को दी मंजूरी

10000 करोड़ की मदद से नए निवेशकों को होगा बड़ा लाभ

पहले चरण में 1,370 से अधिक स्टार्टअप्स को लाभ

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय स्टार्टअप्स को शुरुआती निवेश उपलब्ध कराने के लिए 10,000 करोड़ रुपए के नए फंड 'स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0' को मंजूरी दे दी है। इस फंड का विशेष फोकस डीप टेक, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और शुरुआती चरण के संस्थापकों पर रहेगा, ताकि नवाचार को शुरुआती वित्तीय कमी के कारण रुकना न पड़े। यह योजना 2016 में शुरू किए गए पहले फंड ऑफ फंड्स के दूसरे चरण के रूप में लाई गई है। पहले चरण में 10,000 करोड़ रुपए के पूरे कोष को विभिन्न निवेश फंड्स के माध्यम से तैनात किया गया। इनके जरिए 1,370 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन मिला और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थकेयर तथा स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में 25,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हुआ। नए फंड का प्रमुख उद्देश्य डीप टेक और नवोन्मेषी विनिर्माण जैसे लंबे समय में विकसित होने वाले क्षेत्रों को 'लंबी अवधि की धैर्यपूर्ण पूंजी' उपलब्ध कराना है। इन क्षेत्रों में जोखिम अधिक होने के कारण निजी निवेशक अक्सर निवेश से बचते हैं, जिससे उच्च-जोखिम पूंजी की कमी बनी रहती है।

इनमें 25,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हुआ

विदेशी निवेश पर निर्भरता कम होगी

नई योजना का एक अहम लक्ष्य निवेश को केवल बड़े स्टार्टअप हब जैसे बेंगलुरु या दिल्ली तक सीमित न रखकर देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाना भी है, ताकि नवाचार का दायरा व्यापक हो सके और घरेलू दीर्घकालिक पूंजी को बढ़ावा मिले। इससे विदेशी निवेश पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2016 से अब तक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या 500 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो चुकी है। सरकार का मानना है कि यह नया फंड आर्थिक मजबूती, विनिर्माण क्षमता में वृद्धि और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा व 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा।

देश के सभी हाई कोर्ट को 'सुप्रीम' निर्देश

फरार आरोपियों को अग्रिम जमानत न दें, 'अनावश्यक' इस्तेमाल रोकें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि वे उन आरोपियों को अग्रिम जमानत न दें जो फरार हो जाते हैं। कोर्ट ने फरार आरोपियों के लिए कहा कि ये ट्रायल पूरा होने पर अपने सह-आरोपियों के बरी होने के बाद गिरफ्तारी से सुरक्षा के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और विजय बिश्नोई की बेंच ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें फरार आरोपी को अग्रिम जमानत दी गई थी, उसे सरेंडर करने और रेगुलर बेल के

सुप्रीम कोर्ट

लिए अप्लाई करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम बेल की राहत देना, एक बुरी मिसाल कायम करता है और यह संदेश देता है कि कानून का पालन करने वाले सह-आरोपी, जिन पर ट्रायल हुआ, ट्रायल की प्रक्रिया में लगन से शामिल होना गलत था।

सबरीमाला मंदिर का मुद्दा फिर गरमाया

महिलाओं के प्रवेश पर सरकार से मांगा जवाब, आज कोर्ट में सुनवाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार से साफ रुख बताने की मांग की है। सवाल यह है कि सरकार अदालत में महिलाओं के प्रवेश का समर्थन करेगी या अपना पुराना हलफनामा वापस लेगी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा

सबरीमाला मंदिर

के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है।

टॉय ट्रेन में सरिता पहली महिला टिकट कलेक्टर

दार्जिलिंग। दार्जिलिंग की मशहूर टॉय ट्रेन में पहली बार किसी महिला को टिकट कलेक्टर की जिम्मेदारी मिली है। सरिता योलमो (इनसेट में) ने 145 साल पुराने दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) में वरिष्ठ वाणिज्यिक-सह-टिकट संग्राहक बनकर इतिहास रच दिया है। यह रेलवे यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल है। 55 वर्षीय सरिता योलमो गोरखा समुदाय से आती हैं। इससे पहले वे न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर सीटीसी के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्होंने राजधानी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बेंगलुरु एक्सप्रेस और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी कई ट्रेनों में टिकट कलेक्टर की जिम्मेदारी निभाई है।

गोरखनाथ मंदिर में सीएम ने किया रुद्राभिषेक

मानसरोवर और भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में किया दर्शन-पूजन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर और भरोहिया के पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी दर्शन, पूजन व दुग्धाभिषेक-जलाभिषेक किया और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की।

रविवार सुबह जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का दुग्ध, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान कराया। इसके बाद विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने महादेव भगवान शिव से चराचर जगत के मंगल की प्रार्थना की। गोरक्षपीठ में रुद्राभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंधियारी बाग के प्राचीन मानसरोवर मंदिर भी गए। यहां उन्होंने भोलेनाथ का दर्शन पूजन किया। भगवान शिव को पूजन सामग्री अर्पित कर, पंचस्नान कराकर दूध और जल से उनका अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए पूजन, अभिषेक का अनुष्ठान हवन और आरती के साथ पूर्ण हुआ। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में महाशिवरात्रि पर सीएम योगी रविवार दोपहर बाद भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन, पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर संपूर्ण मानव जाति के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है।

गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं। जलाभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री ने भरोहिया में शिव मंदिर के सामने स्थित गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ के परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। बच्चों से बातचीत कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

काशी विश्वनाथ धाम में पुष्प वर्षा से किया गया शिवभक्तों का स्वागत

लखनऊ। प्रयागराज के पावन संगम तट पर लगे धर्म-कर्म, त्याग और समर्पण के माघ मेले का समापन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हुआ। हर हर महादेव के जयघोष और ऊं नमः शिवाय के मंत्रोच्चार से संगम नगरी गूंज उठी। काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा से शिवभक्तों का स्वागत हुआ। देश-विदेश के 63 मंदिरों से आई भेंट को भगवान श्री विश्वेश्वर को अर्पित किया गया। प्रयागराज में माघ मेले में महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई। 44 दिन चले माघ मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 22 करोड़ को पार कर गई। ये अब तक किसी भी माघ मेले का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माघ मेले के आयोजन और तैयारियों पर नजर रखे हुए थे और महाशिवरात्रि पर भी लगातार खबर ले रहे थे। महाशिवरात्रि पर काशी आस्था, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रही। श्रद्धा की डोर से बंधे लाखों शिवभक्त भगवान भोलेनाथ के विवाहोत्सव के साक्षी बनने उमड़े। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक बेलपत्र, गंगाजल और दूध बाबा पर अर्पित किया। काशी ह्रहर-हर महादेवह्व और ह्रबोल बमह्व के जयघोष से गुंजायमान रही। श्री विश्वेश्वर के लिए देश-विदेश के कुल 63 मंदिरों से भेंट आई। यह भेंट भगवान श्री विश्वेश्वर की मध्याह्न भोग आरती में अर्पित कर श्रद्धालुओं के मध्य वितरित की गई। शाम छह बजे तक 5,20,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। महाशिवरात्रि के अवसर पर अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्राचीन नागेश्वर नाथ मंदिर और क्षीरेश्वर नाथ मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयों पर शिवभक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पूरे अयोध्या धाम को पांच जोन और 12 सेक्टर में बांटा गया। प्रत्येक जोन और सेक्टर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

राम मंदिर का वैभव पहुंचा सात समंदर पार

20 फरवरी को मॉस्को में होगी भव्य रामलीला

- एवगेनी बनेंगे राम, दारिया निभायेंगी सीता का किरदार, मुरात लक्ष्मण और दिमित्री बनेंगे हनुमान

लखनऊ। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राममंदिर से जुड़े विकास कार्यों और दीपोत्सव समेत किए जा रहे अभूतपूर्व आयोजनों की ख्याति अब सात समंदर पार तक पहुंच रही है। योगी सरकार के सांस्कृतिक विजन और अयोध्या में हुए आध्यात्मिक नवजागरण से प्रेरित होकर रूस की राजधानी मॉस्को में 20 फरवरी को भव्य रामलीला का आयोजन होगा। यह रामलीला अयोध्या में विगत दिनों हुए दीपोत्सव से प्रेरणा लेकर दिव्य और भव्य रूप में आयोजित की जा रही है। इसे भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।

रूस में भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (खठउउ) के सहयोग से होने वाली इस रामलीला में रूस के कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। राम की भूमिका में एवगेनी, सीता के रूप में दारिया, लक्ष्मण के रूप में मुरात और हनुमान के रूप में दिमित्री मंच पर भारतीय आस्था की सजीव प्रस्तुति देंगे। रूसी-भारतीय मैत्री संस्था दिशा इस आयोजन की मुख्य संचालक है। डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह संस्था वर्षों से नाट्य प्रस्तुतियों, सांस्कृतिक उत्सवों और शैक्षिक पहल के जरिए भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सत्य, मयार्दा और आदर्श जीवन का सार्वभौमिक संदेश है। यही वजह है कि रूसी दर्शकों में भी इसके प्रति विशेष उत्सुकता देखी जा रही है। सरकार ने रूस के कलाकारों की टीम को अयोध्या दीपोत्सव में मंच प्रदान किया। यह टीम रामलीला प्रस्तुत कर पहले ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। अयोध्या की आध्यात्मिक आभा और आयोजन की भव्यता देखकर रूस से यहां आए आयोजक और कलाकार इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मॉस्को में भी उसी भाव को साकार करने का निर्णय लिया। भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों में रामलीला की परंपरा का इतिहास भी उल्लेखनीय रहा है। 1960 के दशक में सोवियत अभिनेता पद्मश्री गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव ने मॉस्को में रामलीला का मंचन कर दोनों देशों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को नई ऊंचाई दी थी। यह पहल दोनों देशों के लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयोजन का नेतृत्व कर रहे रामेश्वर सिंह ने बताया कि रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार के विशेष सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया दीपोत्सव और सांस्कृतिक नवजागरण अब वैश्विक प्रभाव दिखा रहा है। मॉस्को की रामलीला अयोध्या की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। 20 फरवरी को मॉस्को में होने वाली रामलीला के लिए भव्य मंच सज्जा, पारंपरिक वेशभूषा और संगीत की विशेष तैयारी की जा रही है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रूसी नागरिक, भारतीय समुदाय और सांस्कृतिक जगत की हस्तियां शामिल होंगी। जब मंच पर श्रीराम की लीला सजीव होगी तो पूरा वातावरण भारतीय संस्कृति की भक्ति, मयार्दा और आदर्शों से सराबोर नजर आएगा। यह आयोजन नाट्य प्रस्तुतियों, उत्सवों और शैक्षिक पहल के माध्यम से दोनों देशों की एकता की सशक्त मिसाल पेश करेगा।

श्री रेतेश्वर महादेव धाम में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के बनी गांव में सई नदी के तट पर स्थित प्राचीन श्री रेतेश्वर महादेव धाम में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने के साथ विशाल भंडारे में प्रसाद वितरण हुआ। वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी शिवशंकर सिंह ह्यशंकरीह्व द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकालीन पूजन-अर्चन से हुई। यहाँ तड़के से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आचार्यों ने रुद्राभिषेक संपन्न कराया। पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में भव्य शिव जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में भजन-कीर्तन, शिव स्तुति और भगवान भोलेनाथ की आकर्षक झांकियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ह्यहर-हर महादेवह्व के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। आयोजन स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक कौशल जी, मिश्रिख से सांसद अशोक रावत, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद कौशल किशोर, पूर्व विधायक चन्द्रा रावत, पूर्व विधायक कमलेश दिवाकर, पूर्व सदस्य विधान परिषद प्रदीप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, जिला सहकारी बैंक लखनऊ के सभापति वीरेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता मनीष शुक्ला और विनय दीक्षित सहित कई जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत प्रतिनिधि, पार्षद, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी भारी संख्या में मौजूद रहे। वहीं क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक ग्राम प्रधान व अन्य श्रद्धालु भी शामिल हुए। शंकरी ने बताया कि ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध यह प्राचीन धाम वर्षभर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-शांति, समृद्धि और क्षेत्र की उन्नति की कामना की।

पूर्व विधायक सुरेश चंद तिवारी के जन्मदिन पर किया गया भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

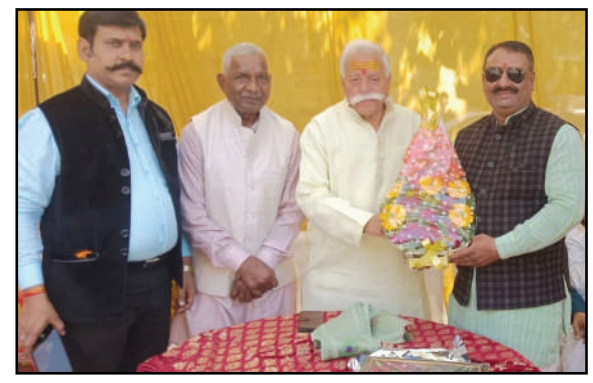

लखनऊ। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर लखनऊ के वरिष्ठ भाजपा नेता जो लगातार लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे जो भाजपा के तमाम पदों पर कार्य करते हुए पार्टी को लगातार आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने वाले पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष सुरेश चंद तिवारी जो हर कार्यकताओं के हर विषय पर ध्यान रखने वाले जिनकी एक आवाज पर सभी कार्यकर्ता अनुशासित होकर सुरेश चंद तिवारी के लिए जन सैलाब का समूह बना देते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश चंद तिवारी के जन्मदिन पर उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता मान सिंह पार्षद पीयूष दीवान पार्षद सुधीर मिश्रा उर्फ बबलू भाई पूर्व पार्षद पति अंकित मिश्रा नामित पार्षद अधिवक्ता सुभाष शुक्ला लखनऊ महानगर के महामंत्री योगेंद्र पटेल लखनऊ महानगर के सह मीडिया प्रभारी चन्द्रभूषण पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र सिंह सामाजिक कार्यकर्ता श्याम त्रिपाठी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सी.पी. अवस्थी महामंत्री देवेंद्र शुक्ला ऐसे तमाम वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं जनता के समूह के बीच भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चना कर बजरंगबली का पाठ संपन्न कर भव्य भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें सभी कार्यकताओं ने भगवान भोलेनाथ एवं बजरंगबली के आशीर्वाद से जयकारा लगाते हुए सुरेश चंद तिवारी दीर्घायु हो सुरेश चंद तिवारी जिंदाबाद के नारा लगाते हुए प्रभु इच्छा तक भंडारे का शुरूआत किया और उसके उपरांत सभी कार्यकताओं ने भगवान भोलेनाथ का प्रसाद ग्रहण किया।

विंध्याचल थाना क्षेत्र में सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत, एक गंभीर घायल

मिजार्पुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत अकोढ़ी गांव के सामने मिजार्पुरह्मप्रयागराज मार्ग पर शुक्रवार की शाम लगभग 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक चालक रितेश कुमार निषाद की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि बाइक पर सवार शिवा निषाद गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल युवक का पैर फ्रैक्चर हो गया है, जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही अष्टभुजा चौकी प्रभारी सुनील मिश्रा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और विधिक कार्रवाई करते हुए मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क पार कर रहे मजदूर की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

तीन संतानों के सर से उठा पिता का साया

अमन लेखनी समाचार

भाई की मौत पर बिलखता भाई व अन्य

लखनऊ। एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे साइकिल सवार को सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मनकौटी निवासी अशोक उर्फ पप्पू (38) रविवार रात करीब 9:30 बजे एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहा था। तभी बंजारन खेड़ा अवध ढाबा के पास साइकिल पर सवार होकर सड़क पार कर रहा था तभी हरदोई की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे रौंदते हुए मौके से फरार हो गया। युवक का सर अज्ञात वाहन के पहिए के नीचे आ गया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक अशोक उर्फ पप्पू इधर-उधर मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था।मृतक के परिवार में पत्नी गुड्डी, बेटा विकास, दो बेटी निधि और शालिनी है जिनका रो-रो कर बुराहाल है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

विधिक सेवा प्रचार वाहनों व राज्य स्तरीय मध्यस्थता हेल्पलाइन का शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

- वैकल्पिक विवाद निस्तारण को बढ़ावा देने के लिए हेल्पलाइन सेवा शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उच्च न्यायालय, खंड पीठ लखनऊ के चीफ जस्टिस पोर्टिको में राज्य मध्यस्थता हेल्पलाइन 1800-180-1212 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के 74 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के लिए मल्टी यूटिलिटी वाहनों के फ्लैग-ऑफ समारोह का आयोजन किया गया। यह पहल सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता पहुँचाने और विवादों के त्वरित निस्तारण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की ओर से किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की माध्यस्थता हेल्पलाइन 1800-180-1212 का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। इस हेल्पलाइन के माध्यम से आम जनमानस अपने विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में निःशुल्क परामर्श एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह डिजिटल पहल वैकल्पिक विवाद निस्तारण प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा न्याय की प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं सुलभ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, प्रदेश के प्रत्येक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को विधिक जागरूकता के लिए विशेष प्रचार वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन वाहनों का मुख्य उद्देश्य जनपद के अत्यंत पिछड़े एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक विधिक सेवा गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना है। इन वाहनों के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाई जाएगी। इस परियोजना के लिए वित्तीय प्रबंध राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की ओर से किया गया है।

नकली बीजों पर लगेगी नकेल, गुणवत्ता का पूरा ब्यौरा देगा साथी पोर्टल

अमन लेखनी समाचार

- बीज उत्पादक व विक्रेता अप्रैल से साथी पोर्टल के माध्यम से करें व्यवसाय
- हर जिले में मास्टर ट्रेनर तैनात, बीज व्यवसाइयों को देंगे प्रशिक्षण

लखनऊ। डबल इंजन सरकार किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बीज वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने बीज व्यवसाइयों से अनुरोध किया है कि अप्रैल से साथी पोर्टल पर संपूर्ण जानकारी अपडेट करें। बीज के उत्पादन से लेकर किसान तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया साथी पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से ट्रैक की जाएगी। यह प्रक्रिया बीज की मिलावट रोकने, नकली बीजों पर अंकुश लगाने और किसानों को सही गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।

उत्तर प्रदेश में कृषि विभाग ने इसके लिए व्यापक प्रशिक्षण अभियान भी चलाया। कृषि निदेशालय में चले प्रशिक्षण में केंद्रीय टीम व महाराष्ट्र कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने किया। डॉ. सोनू कुमार चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सीड) भारत सरकार, अर्चना व अविनाश विजयकुमार पेडगांवकर, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एन.आई.सी, निलाद्रि बिहारी मोहंती संयुक्त निदेशक व उनकी टीम के सदस्य कोमित व सुदीप ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

महाराष्ट्र की उप निदेशक (कृषि) डॉ. प्रीति सवाईराम ने उनके राज्य में साथी पोर्टल की सफलता की कहानी बताई। उन्होंने इसके विभिन्न चरणों, कार्यों व किसानों को होने वाले लाभ की भी जानकारी दी। अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) अनिल कुमार पाठक ने बताया कि बीज उत्पादक संस्थाओं, कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित कर मास्टर ट्रेनर बनाया जा रहा है। अब ये प्रशिक्षक जनपद स्तर पर थोक व फुटकर विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेंगे जिससे नई प्रणाली का सही ढंग से संचालन हो सकेगा। उनकी जिम्मेदारी होगी कि वे स्थानीय स्तर पर सभी विक्रेताओं और उत्पादकों को नई प्रक्रिया में प्रशिक्षित करें ताकि अप्रैल से यह व्यवस्था पूरी तरह लागू की जा सके। लगभग 70 प्रतिशत विक्रेता पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। शेष 30 फीसदी विक्रेता भी 15 दिन के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण करा लें। किसी भी समस्या पर स्थानीय जिला कृषि अधिकारी से भी निराकरण करा सकते हैं। साथी (सीड ऑथेंटिकेशन, ट्रेसेबिलिटी एंड होलिस्टिक इन्वेंटरी) पोर्टल को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य बीज उत्पादन, प्रमाणीकरण और वितरण की गुणवत्ता में पारदर्शिता लाना और किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से बीज के उत्पादन से लेकर किसान तक पहुंचने तक की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक किया जा सकता है। बीज पैकेट पर लगे टैग के क्यूआर कोड को स्कैन करके किसान बीज के स्रोत, बीज का उत्पादन करने वाली एजेंसी/फर्म, उसके प्रमाणीकरण की पूरी जानकारी एवं उसकी गुणवत्ता की जांच कर सकते हैं। पहले दिन बीज उत्पादक संस्थाओं, कृषक उत्पादक संगठन एवं बीज कंपनियों और फर्मों को प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन जिलों के थोक एवं रिटेलर बीज विक्रेताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधि मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे। वे अपने-अपने जनपदों में अन्य डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर को साथी पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षित करेंगे।

उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम 80 फीसदी तैयार

इमर्सिव लर्निंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले होंगे मुख्य आकर्षण, ब्रज क्षेत्र को मिलेगी विशिष्ट पहचान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम अब लगभग तैयार है। नई तकनीक से सुसज्जित यह संग्रहालय अतीत की गौरवगाथा को नए और आकर्षक अंदाज में पेश करेगा, जहां इतिहास केवल पढ़ा नहीं जाएगा, बल्कि महसूस किया जाएगा। ब्रज क्षेत्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना न सिर्फ पर्यटन को नई राष्ट्रीय पहचान देगी, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम भी बनेगी। फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूजियम तेजी से तैयार हो रहा है, जिसका लगभग 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। इसको लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान जल्द से जल्द कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए।

इसकी विशेषता पर जानकारी देते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, इस म्यूजियम में इतिहास को इमर्सिव लर्निंग, विजुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के जरिए दिखाया जाएगा, ताकि हर उम्र का व्यक्ति इसे आसानी से समझ सके। यहां स्थापना और शुरूआती दौर, संस्थापक और स्थानीय नेताओं का योगदान, आजादी की लड़ाई में भूमिका, सिद्धांत और विचारधारा, योग की अहमियत और आज के समय में इसकी जरूरत जैसे जोन बनाए गए हैं। कुल मिलाकर, आर्य गुरुकुल म्यूजियम सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और उनसे प्रेरणा लेने का एक बेहतरीन माध्यम है। म्यूजियम में ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, एम्फीथिएटर, हेलीपैड, फायर फाइटिंग सिस्टम और कई ब्लॉकों का ढांचा तैयार हो गया है और अधिकतर जगहों पर फिनिशिंग का काम चल रहा है। बाहरी इलेक्ट्रिफिकेशन, ट्यूबवेल, अंडरग्राउंड सम्प और कुछ अन्य कार्य प्रगति पर हैं, जबकि सीसी रोड, हॉर्टिकल्चर, तालाब विकास, फ्लोटिंग मल्टीमीडिया और ब्ब्ज्ट जैसे कुछ काम अभी शुरू होने बाकी हैं। कुल मिलाकर परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और तय समय में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा इस म्यूजियम में पाँच पिलरों की सीख भी होगी। जिसमें पहला, ईश्वर ही सच्चे ज्ञान का असली स्रोत है-वह निराकार, अनंत और पूरी सृष्टि का रचयिता है। दूसरा, वेद हमें सही सोच और सही जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं, इसलिए उन्हें समझना और उनके अनुसार चलना हमारी जिम्मेदारी है। तीसरा, हमें हर हाल में सच का साथ देना चाहिए और गलत बातों से दूर रहना चाहिए, ताकि हमारा हर कदम धर्म और ईमानदारी पर टिका हो। चौथा, हमारा उद्देश्य केवल अपनी तरक्की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उन्नति करना है। और पाँचवां, हमें सभी लोगों के साथ प्रेम, सम्मान और न्याय से व्यवहार करना चाहिए एवं दूसरों की प्रगति में ही अपनी सफलता देखनी चाहिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने हाल ही में हुई एक बैठक में इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आर्य गुरुकुल म्यूजियम हमारे अतीत की विरासत और भविष्य की संभावनाओं के बीच एक सशक्त माध्यम है। अब सिर्फ आगरा का ताजमहल ही नहीं बल्कि आर्य गुरुकुल म्यूजियम भी वैश्विक स्तर पर नई पहचान कायम करेगा। ब्रज क्षेत्र का यह म्यूजियम केवल इतिहास को संजोने का प्रयास नहीं, बल्कि उस चेतना को फिर से जागृत करने का संकल्प है जिसने समाज को ज्ञान, समानता और राष्ट्रभाव की दिशा दी। आधुनिक तकनीक और नवाचार के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी के दिल और दिमाग से जोड़ रहे हैं, ताकि वे केवल इतिहास को जानें ही नहीं, बल्कि उसे महसूस करें, समझें और उससे प्रेरणा लेकर एक सशक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। हाल ही में पर्यटन मंत्री ने प्रमुख और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को लेकर अहम समीक्षा बैठक की थी, जिसमें फिरोजाबाद में बन रहे ग्लास म्यूजियम फिरोजाबाद, मैनपुरी के कल्चरल सेंटर, आर्य गुरुकुल म्यूजियम तथा सामौर बाबा मंदिर कॉम्प्लेक्स की प्रगति और विकास योजनाओं का विस्तार से अवलोकन किया गया था। आर्य गुरुकुल म्यूजियम सिर्फ एक भवन नहीं है, बल्कि एक ऐसे आंदोलन की कहानी बताएगा, जिसने भारत में सोच, समाज और देशभक्ति को नई दिशा दी। आर्य समाज ने वेदों की ओर लौटो का संदेश देकर लोगों को जागरूक किया और सामाजिक बराबरी, शिक्षा और तर्क की सोच को मजबूत बनाया। यह म्यूजियम आज की पीढ़ी के लिए एक एजुकेशनल हब की तरह काम करेगा, जहां लोग अपने इतिहास और संस्कारों को आसान और दिलचस्प तरीके से समझ सकते हैं।

संक्षेप

अवैध कब्जा हटाने की भाजपा नेता ने की मांग

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के कस्बा भगवन्तनगर के राजस्व मोहल्ला गढेवा के चरागाहों व अन्य सरकारी भूमि की पैमाइस करा कर अवैध कब्जे हटाए जाने भाजपा के मण्डल अध्यक्ष ने उपजिलाधिकारी से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है । भाजपा मण्डल अध्यक्ष सुमेरपुर आशीष बाबा ने उपजिलाधिकारी बीघापुर से शिकायत अर बताया कि कस्बा भगवंतनगर के राजस्व मोहल्ला गढेवा स्थित भूमि संख्या 443 रकबा 0.2480 हे ,भूमि संख्या 675क रकबा 0.212हे 747ख रकबा 0.0630 हे व 734/3 रकबा 0.1610 हेक्टेयर सहित लगभग 11 भूमि सरकारी अभिलेखों मे चारगाह के रुप में दर्ज है ।शिकायत में उन्होंने बताया कि इन नम्बरों पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध तरीके से कब्जा कर अवैध प्लाटिंग की जा रही है । शिकायत के बाद क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा गलत और भ्रामक आख्या प्रेषित कर अधिकारियों को गुमराह कर रहे है । उन्होंने उपजिलाधिकारी से कहा का एक उच्चस्तरीय समिति बना मामले की जांच होनी चाहिए । जिससे सरकारी चारागाह भूमि को भूमाफियाओं से बचाया जा सके । आशीष बाबा ने कहा कि यदि सही ढंग से जांच नही हुई तो मामले को उच्च अधिकारियों तक ले जाएंगे । इस सम्बन्ध मे उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह ने कमेटी बना कर जांच कराए जाने की बात कही ।

विद्युत तार जोड़ते समय युवक आया विद्युत करंट के चपेट में हुई मौत

हसनगंज, उन्नाव। लाउडस्पीकर का तार जोड़ते समय विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीएम की कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के रफी गढ़ी गांव निवासी धर्मवीर सिंह 32 वर्ष पुत्र शिव बक्श सिंह रविवार को गांव के बाहर शिवाला मंदिर पर रामचरित मानस के पाठ की तैयारी में लाउडस्पीकर लगा रहा था तभी करंट की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से पत्नी नेहा, मां लक्ष्मी सहित विवाहित बहन रिंकी का रो रो कर बुरा हाल है ।मृतक एक पुत्र 3 वर्ष का है। मृतक इलेक्ट्रॉनिक दुकान से अपने परिवार का भरण पोषण करता था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है शव को पीएम के लिए भेजा जा रहा है।

किशोरी हुई लापता पिता ने दर्ज कराया मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर भगा ले जाने की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया । बिहार थाना क्षेत्र एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि गांव का ही युवक रितेश मेरी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी को सोमवार को बहला फुसला कर कही भगा ले गया ।बेटी अपने साथ सोने की झुमकी , लाकेट , चांदी के पायल और दस हजार रूपए नगद ले गयी है ।जो उसकी शादी के लिए रखे थे ।पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 137 2 व 87 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया । इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ।जांच कर कार्यवाही की जाएगी ।

महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब भोलेनाथ के जमकर लगे जयकारे

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। महाशिवरात्रि पर्व पर जनपद में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने भोर की पहली किरण के साथ ही गंगा घाटों पर पावन गंगा में डुबकी लगाई और भगवान भोलेनाथ का स्मरण किया। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'हर-हर बम-बम' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

गंगा स्नान के लिए सिर्फ उन्नाव ही नहीं, बल्कि लखनऊ, हरदोई समेत आसपास के तमाम जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कई श्रद्धालु परिवार सहित सुबह चार बजे ही घाटों पर पहुंच गए थे। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन गंगा स्नान कर शिव पूजन करने से समस्त कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने श्रद्धा भाव से स्नान किया।

इस बार महाशिवरात्रि पर केवल आस्था ही नहीं, बल्कि अनुशासन और स्वच्छता का भी विशेष दृश्य देखने को मिला। कई सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने घाटों पर साफ-सफाई की व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं से प्लास्टिक का उपयोग न करने और गंगा में पूजन सामग्री न प्रवाहित करने की अपील की गई।

प्रशासन ने भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। घाटों पर पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई। मंदिरों की सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन से निगरानी भी की जा रही थी।

स्नान के बाद श्रद्धालुओं का रुख शहर के प्रमुख शिवालयों की ओर रहा। विशेष रूप से प्राचीन गोकुलबाबा मंदिर में दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर परिसर में सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा और दूध अर्पित किया। मंदिर में भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक का आयोजन भी हुआ, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। पुरुष कांवड़ के साथ मंदिर पहुंचे। कई युवाओं ने भजन मंडलियों के साथ झांकी भी निकाली। स्थानीय व्यापारियों ने श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क जल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की। इससे पर्व का सामुदायिक स्वरूप और भी मजबूत नजर आया। प्रशासन के अनुसार, सुबह में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया और मंदिरों में दर्शन किए।

टॉप-100 परिषदीय बच्चों ने साइंस सिटी व नक्षत्रशाला में समझा ब्रह्मांड का रहस्य

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। ब्लॉक क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों के मेधावी छात्रों को विज्ञान से जोड़ने की पहल के तहत विज्ञान आविष्कार टूर आयोजित किया गया। आरएए परीक्षा में टॉप-100 स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को विज्ञान आंचलिक केंद्र (साइंस सिटी) एवं इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला, लखनऊ का अनुभव आधारित शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

यह भ्रमण आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी संजय शुक्ल के मार्गदर्शन में सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एआरपी अंजू, राममिलन, मनीष, पूनम, शिखा एवं पूर्व एआरपी इम्तियाज हुसैन के विशेष प्रयास सराहनीय रहे।

भ्रमण के दौरान बच्चों ने प्रागैतिहासिक युग के जीवों के मॉडल, विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों के प्रत्यक्ष प्रयोग तथा वैज्ञानिक उपकरणों को नजदीक से देखा और समझा। नक्षत्रशाला में 3डी मूवी के माध्यम से ग्रहों की संरचना, ब्रह्मांड की उत्पत्ति, बिग बैंग थ्योरी सहित अंतरिक्ष से जुड़ी कई रोचक जानकारियां प्राप्त कीं।

बच्चों ने विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम से अभिभूत छात्रों ने तालियां बजाकर खंड शिक्षा अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया और ऐसे शैक्षिक भ्रमण आगे भी आयोजित कराने की मांग की।

इस अवसर पर ब्लॉक औरास के अन्य शिक्षक साथियों का भी भरपूर सहयोग रहा। आयोजन ने न केवल बच्चों के ज्ञान में वृद्धि की, बल्कि उनमें विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

मालगाड़ी की चपेट से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सहजनी क्रॉसिंग के पास पोल संख्या 64/20 पर सुबह करीब 9:45 बजे हुई। कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक रेलवे ट्रैक के किनारे कुछ देर तक खड़ा था। जैसे ही मालगाड़ी नजदीक आई, वह अचानक पटरी पर कूद गया। ट्रेन चालक ने हॉर्न बजाया और ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन कम दूरी के कारण हादसा टल नहीं सका। घटना के बाद ट्रेन रुक गई और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, जिन्होंने रेलवे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गंगाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान उन्नाव के पीडी नगर निवासी दिनेश बाबू पुत्र रामसागर के रूप में हुई है। पहचान होने के बाद परिजनों में शोक छा गया।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, घटना के पीछे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर युवक की मानसिक स्थिति और पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इस घटना के कारण रेलवे ट्रैक पर कुछ समय के लिए रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि सहजनी क्रॉसिंग के आसपास पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। खुले रेलवे ट्रैक और निगरानी की कमी के कारण लोग अक्सर पटरी पार करते समय लापरवाही करते हैं। हालांकि, इस विशेष मामले में युवक द्वारा जानबूझकर ट्रेन के सामने आने की बात सामने आई है।चौकी इंचार्ज मूलचंद पाठक ने जानकारी दी कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भव्य कलश यात्रा,हजारों श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचे, किया स्नान

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंजमुरादाबाद ब्लॉक के मेला रामकुवर गांव में ग्राम समाज और प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह द्वारा एक साप्ताहिक भागवत कथा का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के तहत आज एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कलश यात्रा में लगभग 400 महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुईं। ये महिलाएं करीब पांच किलोमीटर पैदल नाचते-गाते हुए नानामऊ गंगातट पर पहुंचीं। गंगातट पर उन्होंने पूजा-अर्चना की और पवित्र स्नान किया।

इस भागवत कथा में अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता आचार्य मनीष तिवारी कथा व्यास के रूप में उपस्थित हैं। उनके नाम से ही क्षेत्र के हजारों लोग कथा सुनने के लिए उमड़ पड़े। यह कथा ग्रामवासियों के साथ-साथ सुशीला मशीनरी स्टोर, श्रेया मेडिकल स्टोर, वेद मेडिकल स्टोर और शिव मैरिजलोन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम स्थल और पंडाल की देखरेख प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार सिंह कर रहे हैं।

कलश यात्रा के दौरान हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल देखने को मिली। मुस्लिम समुदाय के लोग भी लाल गुलाल के साथ नाचते और झूमते हुए नजर आए, जिसकी चर्चा आमजन में बनी हुई है। इस दौरान 'श्याम तेरी गंगा मैली हो गई' और 'राधे बरसाने में आ गई' जैसे भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार भी पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संभाल रहे प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार सिंह की प्रशंसा की और आमजन से मुलाकात की। इस कलश यात्रा में करीब एक हजार से अधिक श्रद्धालु मौजूद रहे। इस दौरान डॉ. शिवपाल सिंह, नरेश पाल सिंह, संदीप सिंह, मुकुल सिंह, अनूप गुप्ता, संजय सिंह और राजेंद्र सिंह सहित हजारों की संख्या में अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

अनियंत्रित ट्रक पलटा चालक समेत तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में रविवार मियागंज संडीला मार्ग पर अचानक सामने आ गए ट्रैक्टर को बचाने के प्रयास में डस्ट लाद कर जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे चालक व श्रमिक सहित तीन लोग फस गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से फसे लोगों को बाहर निकाल कर मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया। हमीरपुर जिला के थाना बिवांर क्षेत्र के पाटन पुर गांव निवासी ट्रक चालक नंद किशोर पुत्र जौहरी पडोसी धीरज पुत्र राम भजन तथा आसीवन थाना क्षेत्र के मौलवी खेडा गांव निवासी श्रमिक दिलीप पुत्र देवी प्रसाद के साथ हमीरपुर से ट्रक में डस्ट लाद कर औरास जा रहा था अभी वह मकबूल खेडा गांव के आगे माइनर के पास पहुंचा था तभी अचानक ट्रैक्टर चालक आ गया और ट्राली काट दी जिससे बचाने के प्रयास में चालक ने नियंत्रण खो दिया और ट्रक सडक किनारे पलट गया जिससे चालक सहित तीन लोग फस गए मौके पर पहुंची ने हैड्रा की मदद से चालक व श्रमिकों को बाहर निकाल कर मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। बीघापुर तहसील क्षेत्र के कस्बा पाटन में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चतुर्थ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया पाटन बाजार सराफा मंडी में स्थित शिव मंदिर प्रांगण के अंतर्गत सर्वप्रथम भगवान भोलेनाथ श्री महाकाल की पूजा अर्चना दीप प्रज्वलित कर भगवान भोलेनाथ को भोग लगाकर महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम दोपहर 12बजे से प्रारंभ होकर देर शाम तक चलता रहा जिसमें क्षेत्र से लेकर दूर तक के भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया इस विशाल भंडारे का आयोजन मुख्य रूप से राजू पटेल एवं राहुल सोनी तथा अन्य भक्तों ने बड़ी आस्था एवं श्रद्धा के साथ आयोजित कर समाज में एक नई मिसाल कायम की जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि आज का युवा केवल रील और सोशल मीडिया पर ही नहीं बल्कि वह धर्म और संस्कृति को संरक्षित करने में भी बराबर तत्पर रहता है और किसी कार्य में पीछे नहीं रहता भंडारे में गांव क्षेत्र ही नहीं आते जाते राहगीरों ने भी प्रसाद ग्रहण किया व सभी लोगों ने आयोजकों की श्रद्धा ,भक्ति और कर्मठता की भूरि भूरि प्रशंसा की ।भक्तों ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

भागवत कथा के अंतिम दिवस पर सुदामा चरित्र का वर्णन

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। क्षेत्र के गांव अढ़ौली में ज्वाला देवी मंदिर में चल रही भागवत कथा के अंतिम दिन कथा वाचिका आराध्या किशोरी ने नरकासुर की कैद में बंद 16 हजार कन्याओं को मुक्त कराकर उनसे विवाह की कथा व सुदामा चरित्र का निर्मल वर्णन करते हुए कहा कि सामाजिक बुराइयों को दरकिनार करते हुए मुक्त कराई गई 16 हजार कन्याओं को कृष्ण ने स्वीकार कर उन्हें समाज में प्रतिस्थापित करने का काम किया। निर्धनता से जीवन यापन कर रहे कृष्ण ने अपने मित्र सुदामा को अपने बराबर ऐश्वर्य शाली बनाकर सखा धर्म निभाया। महाराज ने कहा कि भगवान को जो प्रिय है, जो उन्हें प्रेम से पुकारते हैं भगवान उनके साथ सदैव प्रत्यक्ष रूप से रहते हैं।

आराध्या किशोरी जी ने कहा कि मित्र धर्म बहुत कठिन है आज वर्तमान समय में एक दूसरे के साथ धोखाधड़ी करना ही धर्म रह गया है ।कृष्ण ने मित्र धर्म के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है आज सामने मुंह पर मीठी मीठी बातें करने वाले और पीछे बुराई करने

वाले लोग मित्र कहलाने के हकदार नहीं। उन्होंने कहा देत लेत मन शंक न धरई, बल अनुमान सदा हित करई ।बिपति काल कह सदुण नेहा, श्रुति कह संत मित्र गुन एहा। कथा श्रवण करने वालों में चंद्र किशोर सिंह, अनुपम सिंह, प्रशांत, रामकुमार आदि रहे।

भूसा काटने वाली मशीन में फंसकर मजदूर का कटा हाथ

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूरी सादिकपुर गांव में शनिवार देर रात भूसा काटने वाली मशीन से भूसा काटते समय एक मजदूर का बायां हाथ मशीन में फंस गया। इस हादसे में मजदूर का हाथ कटकर अलग हो गया ।घायल मजदूर की पहचान रजनेश कुमार (35 वर्ष) पुत्र रामकुमार के रूप में हुई है, जो इसी गांव का निवासी है। घटना के बाद आसपास मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत रजनेश को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया ।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सक डॉ. सुनील राठौर ने रजनेश को प्राथमिक उपचार दिया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए, उसे तुरंत कानपुर के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत दोनो चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 1 बजे मांढापुर रोड पर कल्याणी नदी पुल के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण दुर्घटना में दोनों बाइकों पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में से एक को निजी अस्पताल और दूसरे को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।मिली जानकारी के अनुसार, घायलों में से एक की पहचान बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के खैराहन गांव निवासी 18 वर्षीय प्रिंसु पुत्र रामप्रकाश के रूप में हुई है। प्रिंसु बरुवाघाट से काम निपटाकर अपने घर लौट रहा था, तभी बांगरमऊ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई ।प्रिंसु को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हालांकि, हादसे में घायल हुए दूसरे युवक के बारे में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है कि उसे किस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुगमेश्वर महादेव मंदिर की द्वितीय वर्ष गांठ पर निकली शिव शोभा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। सुगमेश्वर महादेव मंदिर मौरावां की द्वितीय वर्षगांठ पर भव्य शिव शोभा यात्रा का आयोजन हुआ पांच किलोमीटर लंबी यात्रा में सैकड़ों झांकियों के साथ हजारों की तादात में शिव भक्तों ने सहभागिता की यात्रा सुगमेश्वर मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर वनखंडी मंदिर होते हुए मोटेश्वर मंदिर में विराम लिया। समापन पश्चात आयोजन समिति की ओर से विशाल भंडारा कराया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा का स्थान - स्थान पर नगर वासियों से गर्म जोशी से स्वागत किया। संत गोपाल दास महाराज जी, संत रिंकू महाराज जी संत राजेश्वर नंद धर्मेंद्र महंत दास जी आर के शर्मा काली मठ लखनऊ विधायक अनिल सिंह व पूर्व एम एल सी अरविंद त्रिपाठी, पूर्व ब्लाक प्रमुख नीटू बाजपेई नगर अध्यक्ष विवेक सेठ एवं आयोजक अधिवक्ता उच्च न्यायालय एस बी शर्मा के नेतृत्व में यात्रा ने दूसरा वर्ष पूरा किया ।खास यह कि इस बार भी यात्रा में शामिल शिव भक्तों का उत्साह देखने लायक था बताते चलें कि शिव रात्रि का महापर्व भगवान भोलेनाथ के विवाह का परिणाम है इस दिन के लिए शिव भक्त ही नहीं चराचर के सभी पशु - पक्षी, देव दानव भूत प्रेत पूरे वर्ष बाबा की बारात के लिए प्रतीक्षा करतें हैं शिव रात्रि आते ही शिव मंदिरों की भव्यता देखने लायक होती है। शिव भक्तों का बाबा के प्रति समर्पण सुगमेश्वर मंदिर के आयोजकों की लगन तारीफ ए काबिल है महीनों की तैयारी बाद यात्रा को अंतिम रूप दिया जाता है ।यात्रा सकुशल सम्पन्न कराने में सी ओ तेजबहादुर सिंह व प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह की भूमिका सराहनीय रही यात्रा में प्रमुख रूप से पी के दीक्षित, शिवा मास्टर, राजू अवस्थी, दुर्गी सिंह, भूपेश कुमार, दिनेश तिवारी, मोती लाल लोधी, सतीश त्रिपाठी ,टिंकू त्रिपाठी, अजय त्रिवेदी, शिवकुमार गुप्ता, अवधेश सिंह, कमलेश बाजपेई, अनुज अवस्थी, जमुना शंकर तिवारी, उमेश सिंह, साधव महाराज, नंग्गू सिंह, पकंज द्विवेदी, राजू भाई जी आदि लोग मौजूद रहे। वही पूर्व एमएलसी गुड्डू त्रिपाठी द्वारा द्वारा पत्रकारों को अंगवस्त्र व डायरी स्पेल देख सम्मान भी किया गया।

पत्नी एवं ससुरालीजनों की प्रताड़ना से त्रस्त युवक ने लगाई फांसी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र के गांव आशयास में एक युवक ने दहेज उत्पीड़न से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक पुष्पेंद्र के पिता भैयालाल ने बताया कि उसके बेटे को पत्नी और ससुराल वाले आयेदिन प्रताड़ित करते थे। आज सुबह भी पत्नी शिल्पी और साली ने फोन पर गाली-गलौज की, जिससे वह क्षुब्ध हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ससुरालीजनों की प्राताड़ना के चलते पुष्पेंद्र मानसिक रूप से परेशान रहता था। पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि पुष्पेंद्र की पत्नी और ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। क्या आप जानना चाहते हैं कि दहेज उत्पीड़न के मामलों में क्या कार्रवाई की जा सकती है ? या फिर आप जानना चाहते हैं कि मानसिक प्रताड़ना के शिकार लोगों के लिए क्या मदद उपलब्ध है ?

शादी समारोह में शराबी युवक ने की मारपीट

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के एक गाँव मे शादी समारोह में नशे में धुत युवक से बोलना महंगा पड़ गया। नशेड़ी युवक ने दूसरे युवक को जमकर पीट दिया। पीड़ित युवक के तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा में छत्रपाल गौतम पुत्र पंचू के घर 10 फरवरी को शादी चल रही थी। शादी में निमंत्रण पर गाई पो० बरदहा थाना बरासगवर निवासी पन्नालाल पुत्र परसादी भी आये थे। निमंत्रण पर ही आये अशोक कुमार पुत्र दयाल ग्राम सराय मनिहार थाना बिहार शराब के नशे में पन्नालाल से गाली गलौज करने लगे मना करने पर लकडी का चैला उठाकर उनके सिर पर मारा फिर गिराकर लात घूसो से पीट दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पीड़ित द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने अशोक कुमार के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिव मंदिरों में गूंजी हर हर महादेव की गूंज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। महा शिवरात्रि पर्व पर रविवार सुबह से मन्दिरों में घंटा घड़ियाल की आवाजों के साथ हर हर महादेव की गूंज उठने लगी। क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों की धुलाई साफ सफाई ओर सजावट का काम सुबह से ही शुरू हो गया। कस्बा फतेहपुर चौरासी में गौरीशंकर, रामेश्वर, आनदेश्वर, मंगलेश्वर, बूढ़े बाबा आदि मंदिरों में, ऊगू के नीलकंठेश्वर तकिया के निगोहेश्वर आदि मंदिरों में भक्तों ने भांग धतूरा फूल प्रसाद आदि चढ़ाकर भोलेशंकर का जलाभिषेक किया और मन्नते मांगी। इसके साथ ही मंदिरों में अखण्ड रामायण का पाठ और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। क्षेत्र से सैकड़ों लोग गंगा स्नान कर शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर महादेव के दर्शन करने के लिए गए। गंगा कटान स्थल पर वैकल्पिक मार्ग बन जाने से भक्तों की भीड़ वहां बढ़ गई। तकिया निगोही में अरूण पाण्डेय द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

बैंड बाजे के साथ निकाली गई भगवान भोले नाथ की बारात

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। महा शिवरात्रि पर्व नगर और ग्रामीण क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया ।बैंडबाजे के साथ भोले की बारात निकाली गई ।बारात का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कस्बे के मोटेश्वर मंदिर से निकली भोले की बारात में शामिल देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों ने लोगो का मन मोह लिया ।युवाओं ने अमीर गुलाल उड़ाकर बैंड बाजे की धुन पर जमकर थिरके ।बारात बबर अली खेडा, सरांय सूबेदार, राहत गंज बाजार, सलीन्द रोड, शंकरी देवी मंदिर, नानाराव पेशवा मार्ग आदि मोहल्लों से होते हुए वापस मोटेश्वर मंदिर में समाप्त हुई ।शोभा यात्रा का विधायक बम्बालाल दिवाकर, नगर पंचायत अध्यक्ष पुत्र देवांग बाजपेई , हरिशरण लाला, राजू चौहान, अतुल अग्निहोत्री, पूर्व सभासद संजीव गुप्ता, बेचेलाल गुप्ता आदि सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर जगह जगह जोरदार स्वागत किया ।वही श्रद्धालुओं को प्रसादी के रूप में ठंडाई वितरित की गई ।बारात में शिवबालक सिंह, मंजू सिंह, राकेश तिवारी, पवन सोनी, अनुपम गौड़, प्रांजुल सोनी, दीपक विमल, पिन्नू लोधी, मनोज पांडेय, विकास गुप्ता आदि सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे ।सुरक्षा के लिए शोभा यात्रा में पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक सरकार संबंध सुधारने पर दे सकती है जोर

बांग्लादेश में संपन्न हुए 13वें संसदीय चुनाव केवल एक राजनीतिक प्रक्रिया भर नहीं हैं, बल्कि ये दक्षिण एशिया की कूटनीतिक दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव भी हैं। चुनाव परिणामों को लेकर भले ही विभिन्न दलों और पर्यवेक्षकों के बीच मतभेद हों और उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हों, लेकिन यह निर्विवाद है कि ढाका की सत्ता में बैठने वाली नई सरकार का रुख भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 4000 किलोमीटर से अधिक लंबी साझा सीमा है, जो दोनों देशों को सुरक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक संपर्क और रणनीतिक दृष्टि से गहराई से जोड़ती है। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिरता और उसकी विदेश नीति का स्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों से सीधे जुड़ा हुआ है। चुनाव से पहले आवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) दोनों ने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों की बात कही थी। यह संकेत आशावादी है। यदि लोकतांत्रिक ढंग से गठित नई सरकार क्षेत्रीय सहयोग और संतुलन की नीति अपनाती है, तो हाल के वर्षों में आई कूटनीतिक दूरी कम हो सकती है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल में चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकियों तथा भारत के साथ रिश्तों में आई ठंडक ने नई दिल्ली की चिंता बढ़ाई थी। ऐसे माहौल में लोकतांत्रिक जनादेश से बनी सरकार यदि संतुलित विदेश नीति अपनाती है, तो यह दोनों देशों के लिए राहत की बात होगी। यह भी ध्यान रखना होगा कि बांग्लादेश में चीन की आर्थिक उपस्थिति लगातार बढ़ी है। बुनियादी ढांचे, बंदरगाह, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में चीन की सक्रियता ने ढाका को नए विकल्प दिए हैं। पाकिस्तान के साथ भी ऐतिहासिक और राजनीतिक समीकरण समय-समय पर चर्चा में आते रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए चुनौती यह है कि वह प्रतिस्पर्धा के बजाय विश्वास और विकास साझेदारी के माध्यम से संबंधों को मजबूत करे। भारत को बांग्लादेश के आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी परियोजनाओं और जन-जन के संपर्क को प्राथमिकता देकर रिश्तों को स्थायी आधार देना होगा। भारत की ओर से आई आधिकारिक प्रतिक्रिया परिपक्व और संतुलित रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि पहले चुनाव परिणामों का इंतजार किया जाएगा और उसके बाद जनादेश की प्रकृति को देखते हुए आगे की रणनीति तय होगी। यह बयान केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत पड़ोसी देशों में स्थिर और लोकतांत्रिक शासन को अपने हितों के अनुरूप मानता है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते केवल रणनीतिक समीकरण नहीं हैं, वे साझा इतिहास, संस्कृति और भावनात्मक जुड़ाव पर आधारित हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की भूमिका ने दोनों देशों के बीच विश्वास की मजबूत नींव रखी थी। हाल के वर्षों में व्यापार, ऊर्जा सहयोग, सीमा प्रबंधन, रेल और जलमार्ग संपर्क जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इन उपलब्धियों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव का शिकार नहीं बनने देना चाहिए। नई लोकतांत्रिक सरकार के सामने चुनौती होगी कि वह घरेलू राजनीतिक स्थिरता कायम रखते हुए संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति अपनाए। भारत को भी चाहिए कि वह बड़े भाई की छवि से आगे बढ़कर समानता और सम्मान के आधार पर संबंधों को विकसित करे। लोकतंत्र की मजबूती और पड़ोसी सहयोग ही क्षेत्र को स्थिर और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकते हैं।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा की पीडीएफ कॉपी के सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रसार को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। यह मामला किसी अपराध या घोटाले से जुड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मकथा से संबंधित है, जो अभी प्रकाशित भी नहीं हुई और व्यापक रूप से पढ़ी जा रही है। प्रश्न यह नहीं रह गया कि पुस्तक लीक कैसे हुई, बल्कि यह बन गया कि वह अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी। जांच और प्रतिबंध के रास्ते ने न केवल लेखक और प्रकाशक को असमंजस में डाला है, बल्कि पाठकों को भी अधूरी और असंतुलित जानकारी के भरोसे छोड़ दिया है।

विवाद की जड़ बनी अप्रकाशित आत्मकथा

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी की पीडीएफ कॉपी के सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रसार को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। यह मामला किसी अपराध या घोटाले से जुड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मकथा से संबंधित है, जो अभी औपचारिक रूप से प्रकाशित भी नहीं हुई और फिर भी व्यापक रूप से पढ़ी जा रही है। पूर्व थलसेना प्रमुख नरवणे द्वारा लिखी गई इस पुस्तक की डिजिटल प्रति अचानक विभिन्न संदेश माध्यमों और सामाजिक मंचों पर फैल गई। देखते ही देखते यह रचना केवल सैन्य इतिहास की किताब न रहकर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गई।

प्रश्न यह नहीं रह गया कि पुस्तक लीक कैसे हुई, बल्कि यह बन गया कि वह अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी। यह आत्मकथा चार दशकों से अधिक लंबे सैन्य जीवन का विवरण देती है। एक युवा अधिकारी के रूप में सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनाती से लेकर देश की थलसेना के सर्वोच्च पद तक की यात्रा इसमें दर्ज है। इसमें पूर्वी सीमा पर हुए टकराव, पश्चिमी मोर्चे पर तनाव, पड़ोसी देशों के साथ संघर्षविराम और एक भीषण वैश्विक महामारी के दौरान सेना की भूमिका जैसे प्रसंग शामिल हैं। ऐसे समय में जब देश का सैन्य इतिहास अक्सर आधिकारिक वक्तव्यों और संक्षिप्त प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित रह जाता है, यह पुस्तक घटनाओं के भीतर झांकने का अवसर देती है। शायद यही कारण है कि इसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। प्रकाशन की प्रक्रिया सामान्य नहीं रही। पुस्तक के प्रकाशन की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, अग्रिम आदेश भी लिए गए, परंतु अचानक सब कुछ रोक दिया गया। पाठकों को धन वापस कर दिया गया और कहा गया कि आवश्यक स्वीकृतियां लंबित हैं। पूर्व सैन्य अधिकारियों द्वारा लिखी जाने वाली स्मृतियों के लिए रक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है, यह कोई नई बात नहीं है। परंतु जब सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों से यह सामने आया कि उसी अवधि में दर्जनों अन्य पुस्तकों को अनुमति मिल चुकी है और केवल यही एक रचना अटकी हुई है, तो संदेह स्वाभाविक हो जाता है। लेखक स्वयं कई अवसरों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्होंने अपना कार्य पूरा कर दिया था और उसे प्रकाशक को सौंप दिया था।

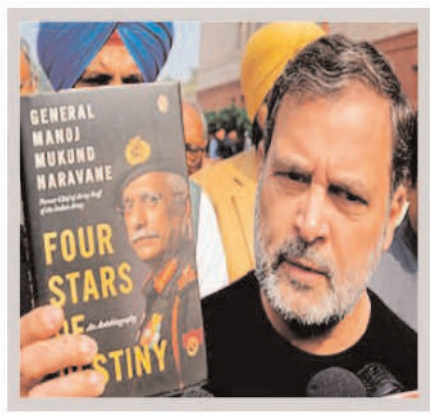

अनुमति प्राप्त करना उनका दायित्व नहीं था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पुस्तक की सामग्री उनकी अपनी लिखी हुई है और उसमें किसी प्रकार की असत्य जानकारी नहीं है। यही नहीं, पुस्तक के मसौदे को पहले ही कई वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों ने पढ़ा था और उसकी सराहना भी की थी। इन प्रतिक्रियाओं से यह संकेत मिलता है कि सामग्री न तो मनगढ़ंत है और न ही हल्की। इसके बावजूद पुस्तक पर चुप्पी बनी रही। इस बीच कुछ समाचार माध्यमों ने इसके अंशों के आधार पर लेख प्रकाशित किए। उन लेखों में सीमा पर हुए संकटों के दौरान लिए गए राजनीतिक और सैन्य निर्णयों का उल्लेख था। संसद में जब इन संदर्भों का उपयोग करने की कोशिश की गई तो भारी हंगामा हुआ और चर्चा रोक दी गई। इसके तुरंत बाद वही डिजिटल प्रति, जिसे अब तक केवल सीमित लोगों ने देखा था, व्यापक रूप से फैलने लगी। यह एक अजीब स्थिति थी, जिसमें एक पुस्तक आधिकारिक

रूप से अस्तित्वहीन मानी जा रही थी, परंतु वास्तविकता में हजारों पाठकों तक पहुंच चुकी थी। अब जांच का केंद्र यह है कि इस अनधिकृत प्रसार के लिए कौन जिम्मेदार है। कानून की दृष्टि से यह कॉपीराइट का उल्लंघन हो सकता है, क्योंकि अप्रकाशित सामग्री को बिना अनुमति साझा किया गया। यदि यह माना जाए कि पुस्तक में संवेदनशील सैन्य जानकारियां हैं, तो उस पर गोपनीयता से जुड़े कानून भी लागू हो सकते हैं। यहां एक गहरा प्रश्न छिपा है। क्या जांच का उद्देश्य वास्तव में कानून का पालन कराना है या फिर उन तथ्यों को नियंत्रित करना है जो असुविधाजनक साबित हो सकते हैं। इस आत्मकथा में जिन घटनाओं का उल्लेख है, वे हाल के वर्षों की सबसे संवेदनशील राष्ट्रीय घटनाओं में से हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में हुई झड़पों में देश ने अपने जवान खोए, परंतु उन घटनाओं के बारे में आधिकारिक विवरण सीमित रहा। सरकार की ओर से एक विशेष प्रकार का आख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें दृढ़ता और सफलता पर जोर था।

यदि किसी पूर्व थलसेना प्रमुख की पुस्तक उस आख्यान से अलग तस्वीर पेश करती है, तो स्वाभाविक है कि वह राजनीतिक रूप से असहज कर सकती है। क्या असहजता ही किसी रचना को रोकने का पर्याप्त कारण हो सकती है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ केवल सामान्य नागरिकों तक सीमित नहीं है। जिन लोगों ने राज्य की सर्वोच्च जिम्मेदारियां निभाई हैं, उनका अनुभव और दृष्टिकोण भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा होना चाहिए। निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा एक गंभीर विषय है और किसी भी प्रकार की जानकारी का प्रकाशन सावधानी से होना चाहिए, परंतु सुरक्षा और सेंसरशिप के बीच की रेखा बहुत महीन होती है।

जब सुरक्षा के नाम पर हर असुविधाजनक प्रश्न को दबाया जाने लगे, तब वह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बन जाती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस मामले में न तो लेखक ने अपनी बात से पीछे हटने का प्रयास किया और न ही प्रकाशक ने यह कहा कि सामग्री गलत है। इसका अर्थ यह हुआ कि समस्या सामग्री में नहीं, बल्कि उसके सार्वजनिक होने में है। यही विरोधाभास इस पूरे विवाद को और गहरा बनाता है। डिजिटल युग में किसी रचना को पूरी तरह रोक पाना लगभग असंभव है। इस घटना ने यह भी दिखा दिया कि प्रतिबंध और देरी कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। जिस पुस्तक को कुछ कार्यालयी फाइलों में दबाकर रखा गया था, वह अब कहीं अधिक लोगों तक पहुंच चुकी है, वह भी बिना किसी आधिकारिक संदर्भ और विमर्श के। इससे गलत व्याख्याओं और अफवाहों की संभावना भी बढ़ जाती है। बेहतर यह होता कि पुस्तक को आवश्यक संपादन और स्पष्ट चेतावनियों के साथ प्रकाशित होने दिया जाता, ताकि पाठक उसे पूरे संदर्भ में समझ सकें। जांच और प्रतिबंध के रास्ते ने न केवल लेखक और प्रकाशक को असमंजस में डाला है, बल्कि पाठकों को भी अधूरी और असंतुलित जानकारी के भरोसे छोड़ दिया है।

यह प्रकरण केवल एक आत्मकथा का नहीं है। यह उस बड़े संघर्ष का प्रतीक है, जिसमें राज्य की शक्ति और नागरिक समाज की जिज्ञासा आमने-सामने खड़ी होती हैं। इतिहास बताता है कि सत्य को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। वह कभी दस्तावेज के रूप में, कभी स्मृति के रूप में और कभी डिजिटल प्रति के रूप में सामने आ ही जाता है। प्रश्न केवल यह है कि क्या हम उसे खुली बहस और परिपक्व संवाद के साथ स्वीकार करेंगे या डर और नियंत्रण के माध्यम से उसे और रहस्यमय बना देंगे। जनरल नरवणे की आत्मकथा आज भले ही औपचारिक रूप से प्रकाशित न हो, परंतु उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि कहानियां केवल अनुमति से नहीं, आवश्यकता से जीवित रहती हैं।

विश्व रेडियो दिवस

बाल मुकुन्द ओझा

मन की बात ने बढ़ाया रेडियो का मान-सम्मान

विश्व रेडियो दिवस प्रतिवर्ष 13 फरवरी को मनाया जाता है। कोई माने या न माने, मगर यह बिलकुल सच है कि भारत में अपनी पहचान खोते जा रहे रेडियो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम ने पुनर्जीवित कर नया जीवनदान दिया है। मोदी के लोकप्रिय शो 'मन की बात' ने रेडियो की लोकप्रियता बढ़ा दी है। एक वक्त था जब रेडियो पर यह आकाशवाणी है, ये शब्द सुनते ही बच्चे से बुजुर्ग तक रेडियो को घेर कर खड़े हो जाते थे। यह हर कोई जानता है कि रेडियो जनसंचार का एक सशक्त माध्यम है, जिसके जरिए लाखों-करोड़ों लोगों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। भारत में अपनी पहचान खोते जा रहे रेडियो को अपने नवाचार कार्यक्रम के माध्यम से नयी पहचान और जीवनदान देने का श्रेय निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाता है।

आठवें दशक तक या यूं कहें कि दूरदर्शन के आगमन तक रेडियो ही शिक्षा, संचार और मनोरंजन के क्षेत्र की सिरमौर था। उस दौरान घर-घर में ही नहीं अपितु हर हाथ में रेडियो था और लोग इससे चिपके रहते थे। हर प्रकार की सूचना का संवाहक था रेडियो। 1980 के बाद संचार के आधुनिक साधनों के प्रादुर्भाव के साथ रेडियो का प्रभाव घटता गया। लोगों ने रेडियो के स्थान पर टीवी को अपनाना शुरू कर दिया। इसी बीच 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 'मन की बात' नामक एक क्रान्तिकारी कार्यक्रम शुरू हुआ। इसी नवाचार के साथ रेडियो का एक तरह से पुनर्जन्म हुआ। दूरदर्शन के प्रादुर्भाव से पूर्व यानि अस्सी के दशक तक रेडियो पर सुनाई देने वाली यह आवाज संचार के आधुनिक साधनों के बीच गायब सी हो गई थी। पहले भारतीय

प्रसारण सेवा, फिर आल इंडिया रेडियो और इसके बाद आकाशवाणी के रूप में रेडियो अस्तित्व में रहा। दूरदर्शन के बढ़ते प्रभाव ने इसकी उपयोगिता पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया, रही सही कसर निजी चैनलों और मोबाइल ने पूरी कर दी। मगर हाल के वर्षों में जहां लोगों में रेडियो की चाह बढ़ी है, वहीं इसकी बिक्री भी तेज हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम ने रेडियो की लोकप्रियता बढ़ा दी है। कह सकते हैं कि इसे नया जीवन मिला है। यह सच है कि रेडियो की साख कमजोर हुई है, मगर आज भी यह अब भी देश में सबसे ज्यादा एरिया कवर करता है। ऑल इंडिया रेडियो की पहुंच देश की 99.20 प्रतिशत आबादी तक है। देश के 92.6 प्रतिशत भूभाग को यह कवर करता है। ऑल इंडिया रेडियो भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन संचालित सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है। इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा रखा गया था। देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में सन 1927 में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ।

1957 में इसका नाम बदल कर आकाशवाणी रखा गया। सरकारी प्रसारण संस्थाओं को स्वायत्तता देने के इरादे से 23 नवंबर 1997 को प्रसार भारती का गठन किया गया, जो देश की एक सार्वजनिक प्रसारण संस्था है और इसमें मुख्य रूप से दूरदर्शन और आकाशवाणी को शामिल किया गया है। आकाशवाणी या रेडियो को हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेय दिया जा सकता है। आजादी से पूर्व आकाशवाणी अनेकता में एकता का सशक्त माध्यम थी। एक-दूसरे के पास इसी माध्यम से सारी जानकारी पहुंचती थी। आजादी के बाद प्रगति और विकास का एक मात्र सजीव माध्यम बना आकाशवाणी। बड़े-बड़े नेता और महत्वपूर्ण व्यक्ति अपनी बात आकाशवाणी के माध्यम से देशवासियों के समक्ष रखते थे। प्रसारण का एक मात्र साधन होने से देश में इसकी महत्ता और स्वीकार्यता थी। मगर धीरे-धीरे निजी क्षेत्र में प्रसारण माध्यम शुरू हुए।

सत्य परमात्मा है, सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है

संकलित
दर्शन

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं।' राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, 'आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?

दुख से मुक्ति ही है असली जीत?

संकलित
प्रेरणा

हमारे जीवन में बहुत अव्यवस्था है। उसे ठीक किए बिना ध्यान का कुछ भी अर्थ नहीं। यदि आप यह सोचकर ध्यान में बैठ जाएं कि इससे व्यवस्था आ जाएगी, तो ऐसा नहीं हो सकता। पहले अपने दैनिक जीवन में सुव्यवस्था स्थापित करें, तब ध्यान की गहराइयों में उतरने का लाभ होगा। सब युद्ध की तैयारियों में लगे हुए हैं। इन तैयारियों से विश्व में कहीं-न-कहीं, किसी-न-किसी प्रकार का विस्फोट अवश्य होगा। हम एक-दूसरे के साथ शांतिपूर्वक कभी भी नहीं रह पाए हैं। शांति के बारे में हम बातें खूब करते हैं। सारे धर्मों ने शांति का ही संदेश दिया है, लेकिन इस धरती पर शांति कभी भी संभव नहीं हो पाई है। यह धरती, जिस पर हम सब रहते हैं, किसी एक देश की नहीं है। यह हम सबकी और हमारी धरती है। इस नफरत का संभवतः एक प्रमुख कारण यह है कि हमारे हृदय हिंसा से भरे हैं। हम कभी भी शत्रुता के भाव से, प्रतिशोध के भाव से मुक्त नहीं रहे। कभी भी अपने भय, दुख, घावों और प्रतिदिन के जीवन की पीड़ा से मुक्त नहीं हो पाए। हमें कभी शांति नहीं मिली। हम हमेशा परेशानियों में घिरे रहते हैं। यह सब हमारे जीवन का हिस्सा हैं। हमारे प्रतिदिन के दुखभोग का हिस्सा है। इस प्रेम विरहित दुखभोग से मुक्ति पाने के लिए मनुष्य ने कई रास्ते आजमाए हैं। उसने इसका दमन करके देख लिया। किसी श्रेष्ठतर तत्व से अपना तादात्म्य करके देख लिया। किसी आदर्श के लिए, किसी विश्वास के लिए, किसी आस्था के लिए अपने आपको समर्पित कर के देख लिया। फिर भी यह दुख कभी समाप्त नहीं होता। हम इसके अभ्यस्त हो चुके हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आवारा मवेशियों की समस्या का हल जरूरी

देशभर में आवारा मवेशियों की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। जहां एक ओर आवारा मवेशी सड़क हादसों का सबब बन रहे हैं, तो दूसरी ओर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आज शहर हो या गांव, आवारा मवेशियों के आतंक से कोई अछूता नहीं हैं। इनके सर्वत्र घूमने से आमजन का अपने घर से बाहर निकलना दूभर हो रहा है। सड़क हादसों में होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण आवारा मवेशी भी हैं, जो यातायात व्यवस्था को तो बाधित करते ही हैं साथ ही उनके अचानक बीच सड़क पर आ धमकने से सड़क हादसे भी अंजाम लेते हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर कैसे घूम रहे हैं आवारा मवेशी और कौन है इनका असली मालिक? साथ ही इनसे होने वाले नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है।

-सूरज कुमार, रायपुर

ट्रेंड

जयंती पर नमन

स्वराज, स्वदेशी व स्वावलंबन के प्रणेता महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की और सामाजिक कुरीतियों के त्याग व स्त्री शिक्षा के लिए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' से वैदिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया। स्वामी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

वन भूमि पर अतिक्रमण

जो लोग पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा हमें सौंपे गए संकट की भयावहता से अनभिज्ञ हैं, उनके लिए स्थिति को स्पष्ट करना आवश्यक है। 2,676 वर्ग किलोमीटर वन भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है! इसे ठीक करने के लिए भाजपा काम कर रही है!

-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एक हाट में दो दुकान

बात ये नहीं है कि बवाल हुआ, बात ये है कि किसने होने दिया, कहीं ये मामला 'एक म्यान में दो तलवार' या 'एक हाट में दो दुकान' के झगड़े वाला तो नहीं है? अपने गृह-नगर में ही अपना विरोध देखकर उनको भी दुख हुआ, जो दूसरों के दुख दूर करने की बात करते है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

बजट निराशाजनक

राजस्थान विस में पेश किया गया बजट न सिर्फ निराशाजनक है, बल्कि प्रदेश की जनता में भविष्य को लेकर चिंताएं पैदा करने वाला है। बजट में कोई घोषणा ऐसी नहीं है जिसे व्यापक जनहित में कहा जा सके।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

सिएटल ने भारतीय छात्रा की मौत के मामले में किया समझौता

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय स्नातकोत्तर छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह मादक पदार्थ संबंधी एक कॉल के बाद कार्रवाई के लिए 40 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जा रहे थे। उनकी गाड़ी की आपातकालीन लाइट जल रही थीं और चौराहों पर सायरन का इस्तेमाल भी किया जा रहा था।

ऑफ बीट

जीवित कोई भी जीव 'आदिम' नहीं, फिर भी ऐसी मान्यता क्यों

हम मनुष्य लंबे समय से स्वयं को विकास (इवोल्यूशन) की पराकाष्ठा मानते रहे हैं। अन्य प्रजातियों को अक्सर आदिम या प्राचीन कहा जाता है और उच्च एवं निम्न जीव जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है। मानव-केंद्रित इस दृष्टिकोण को 1866 में और बल मिला, जब जर्मन वैज्ञानिक अन्स्र्ट हैकेल ने जीवन-वृक्ष (ट्री ऑफ लाइफ) का एक प्रारंभिक चित्र बनाया, जिसमें मनुष्य को स्पष्ट रूप से शीर्ष पर दिखाया गया। इस चित्रण ने यह धारणा लोकप्रिय बनाई कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य हैं। आधुनिक विकासवादी जीवविज्ञान इस सोच को नकारते है। उनके अनुसार विकास में कोई पदानुक्रम नहीं है।

संक्षेप

सहालग में नए नोटों की कमी

बैंक ग्राहकों को लौटा रहे, बाजार में ऊंचे दाम पर बिक रहीं गड्डियां

अमेठी, सहालग के चरम पर होने के बावजूद बैंकों में नए नोटों की कमी देखी जा रही है। शादियों के सीजन में नए नोटों की गड्डियों की बढ़ती मांग के बावजूद बैंक अधिकारी ग्राहकों को नोट उपलब्ध न होने का हवाला देकर लौटा रहे हैं। वहीं, खुले बाजार में ये नोट डेढ़ गुना से अधिक दाम पर आसानी से मिल रहे हैं, जिससे शादी वाले परिवारों को मजबूरन अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।विशेष रूप से 10, 20, 50 और 100 रुपये के नए नोटों की गड्डियों की मांग अधिक है। खाताधारक अपने बैंकों से नई करेंसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन अधिकांश शाखाओं में उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया जा रहा है कि नई करेंसी उपलब्ध नहीं है। यही नोट बाजार में डेढ़ गुना से अधिक दाम पर आसानी से मिल जा रहे है।उदाहरण के लिए, 10 रुपये के 100 नए नोटों की एक गड्डी 1600 से 1700 रुपये में मिल रही है। इसी तरह, 20 रुपये के 100 नए नोटों की गड्डी के लिए ग्राहकों को 2400 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं, जबकि 50 रुपये की गड्डी पर 500 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। इससे शादी आयोजकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।बैंकों में खाताधारकों को नई गड्डियां न मिल पाना और खुले बाजार में इनकी सहज उपलब्धता कई सवाल खड़े कर रही है। एसबीआई गौरीगंज में मिले रामकृपाल ने बताया कि उनकी बेटी का विवाह 19 फरवरी को है, लेकिन उन्हें बैंक से नई करेंसी नहीं मिल पाई।इसी तरह, करुणा शंकर ने शिकायत की कि वे कई दिनों से बैंक के चक्कर लगा रहे हैं, फिर भी उन्हें नए नोटों की गड्डी नहीं मिल रही है।एलडीएम राजीव पांडेय ने बताया कि जिले की चेस्ट में नई करंसी उपलब्ध नहीं है। आरबीआई को मांग भेजी गई है। उपलब्ध होते ही शाखाओं में आपूर्ति कर दी जाएगी। बाजार में ऊंची दर पर बिक्री प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आती है।अगर ऐसा है तो ये जांच का विषय है।

युवक ने महिला को सड़क पर पटका, महिला को गंभीर

अमेठी में बच्चों के मामूली झगड़े के बाद मारपीट, आरोपी हिरासत में

अमेठी , बच्चों के मामूली झगड़े ने बड़े विवाद का रूप ले लिया। इस दौरान एक युवक ने महिला को सड़क पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 बारीपुर की है। बीती शाम आरती और पड़ोसी शौकत के बच्चों के बीच झगड़ा हुआ था। बच्चों का यह मामूली विवाद जल्द ही दोनों पक्षों के बीच हाथापाई में बदल गया। इसी दौरान, शौकत ने आरती के बाल पकड़कर उसे इंटरलॉकिंग सड़क पर पटक दिया। इस हमले में आरती को गंभीर चोटें आईं और वह कई मिनट तक सड़क पर बेहोश पड़ी रही। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

एसएलकेआर इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक उत्सव संपन्न

बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोगों ने सराहा

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच।शिक्षा क्षेत्र नवाबगंज अंतर्गत श्याम नगर चौराहा अधीनगांव स्थित एसएलकेआर इंटरनेशनल स्कूल में प्रथम वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ किया गया।इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

वार्षिक उत्सव में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों ने देशभक्ति गीतों, लोकनृत्य, स्वागत गीत, नाटक और एकल नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों से खूब तालियां बटोरीं।बच्चों की मासूमियत, आत्मविश्वास और मंच पर उनकी प्रतिभा देखकर दर्शक भावविभोर हो गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी रही।उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वार्षिक उत्सव जैसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।वही विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जय प्रकाश सिंह नें कहा कि वार्षिक उत्सव से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी छिपी हुई प्रतिभा सामने आती है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।चेयरमैन डॉ उमा शंकर वैश्य नें अपने संबोधन में शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और संस्कृति का ज्ञान भी अत्यंत आवश्यक है,जो ऐसे आयोजन के माध्यम से बच्चों को मिलता है।विद्यालय प्रबंधक नें अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। वार्षिक उत्सव का यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए यादगार रहा, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए भी एक प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ।इस मौके पर शिवकुमार पाठक, सुशील पाठक सहित शिक्षक शिक्षक पंकज वर्मा, मोहित वर्मा, अलक्षी पाण्डेय, गरिमा सिंह, समृद्धि पटवा, शिवानी वर्मा, हेमा पाठक, माधुरी सहित कृष्णपाल सिंह उपस्थिति रहे।

एसआईआर नोटिसों की सुनवाई के लिए गुलरा गांव पहुंचे नायब तहसीलदार

नेपाल से ब्याही महिलाओं को हो रही सबसे अधिक दिक्कत

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। निर्वाचन आयोग के सख्त निदेशों के बाद एसआईआर नोटिसों की सुनवाई का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में उप सहायक निर्वाचन अधिकारी नायब तहसीलदार मिहींपुरवा ब्रह्मदीन यादव ग्राम पंचायत गुलरा पहुंचे और बूथ स्तर पर लंबित नोटिसों की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सबसे अधिक परेशानी नेपाल से विवाह कर भारत आई महिलाओं को हो रही है। एसआईआर प्रक्रिया में भारतीय नागरिकता से जुड़े प्रमाण मांगे जा रहे हैं, जो अधिकांश महिलाओं के पास उपलब्ध नहीं हैं। जबकि ये महिलाएं वर्षों से भारत में रह रही हैं और उनके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, परिवार रजिस्टर, बैंक खाता, मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य भारतीय दस्तावेज मौजूद हैं। इसके बावजूद उन्हें समाधान नहीं मिल पा रहा है। इसके अतिरिक्त नाम में मामूली अंतर या अभिलेखों में त्रुटि के कारण भी कई लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ग्राम पंचायत गुलरा में बूथ संख्या 316 से 26 तथा बूथ संख्या 317 से 35 लोगों को नोटिस जारी किए गए थे।इस प्रकार कुल 61 नोटिसों में 34 नेपाल मूल की महिलाएं शामिल रहीं। सुनवाई के दौरान 57 नोटिसधारक उपस्थित हुए, जिनकी ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सुनवाई की गई। नायब तहसीलदार ब्रह्मदीन यादव ने बताया कि आमजन को सुविधा प्रदान करने और अनावश्यक दौड़-भाग से बचाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गांव में पहुंचकर ही एसआईआर नोटिसों की सुनवाई की जा रही है।इस मौके पर बीएलओ प्रवीण वर्मा, अजय शुक्ला, ग्राम प्रधान रामनारायण यादव, राम गुलाम अम्बर लाल जायसवाल मिथिलेश जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर कैसरगंज के बरखुरद्वारपुर में शांतिपूर्ण जलाभिषेक

पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी, आला अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कस्बा कैसरगंज के बरखुरद्वारपुर में स्थित शिव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ जलाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डी के श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह एवं नायब तहसीलदार कैसरगंज सचिन श्रीवास्तव की कड़ी निगरानी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया।पूरे आयोजन के दौरान पुलिस व प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, पुलिस बल की व्यापक तैनाती और लगातार निगरानी के चलते कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने अनुशासन में रहकर पूजा-अर्चना की, जिससे कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। प्रशासनिक सतर्कता और पुलिस की सक्रियता से बरखुरद्वारपुर सहित पूरे कैसरगंज क्षेत्र में महाशिवरात्रि का पर्व शांति, सौहार्द और श्रद्धा के वातावरण में मनाया गया।

खबर का असर : डीएम के निर्देश पर सीएचसी अधीक्षक डॉ थानेदार हटाए गए

- डीएम ने टीम गठित कर दिए जांच के निर्देश

डॉ प्रमोद कुमार बने प्रभारी अधीक्षक

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा में शनिवार को महिला स्वास्थ्य कर्मियों एएनएम व आशा बहुओं ने प्रदर्शन किया था प्रदर्शन के दौरान अधीक्षक डॉक्टर थानेदार पर गंभीर आरोप लगाए थे। जिसकी खबर अमन लेखनी समाचार पत्र ने प्रमुखता से छापी थी जिसको संज्ञान में लेकर जिला अधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से सीएचसी से हटाकर जिला मुख्यालय से संबद्ध किया है तथा टीम गठित कर एक हफ्ते में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है। वहीं डॉक्टर प्रमोद कुमार ईएनटी सर्जन को प्रभारी अधीक्षक के रूप में तैनाती दी है।

भाई ने भाई पर दर्ज कराया धोखाधड़ी का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत सगे भाई द्वारा वसीयत छुपा जमीन को अपने नाम दर्ज करा विक्रय कर लेने पर भाई ने भाई पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है।थाना क्षेत्र के खेसुवा निवासिनी फूलमती पत्नी रामलाल ने 2015 में एक वसीयत उप निबंधन कार्यालय बीघापुर में पंजीकृत कराई थी जिसमे खेसुवा स्थित गाटा संख्या 24 रकबा 1.1130 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि व दिल्ली स्थित मकान सहित समस्त चल अचल संपति अपने दो बेटो रामपाल उर्फ पप्पू व सोनू पुत्र रामलाल के हक में लिख दी थी ।2019 में जब फूलमती की मौत हो गयी तब उनके बेटे रामपाल ने वसीयत को छुपाते हुए गाँव के ही लोगो के साथ मिलकर गाँव की जमीन का फर्जी वरासत कराकर भूमि अभिलेखो मे अपना नाम दर्ज करा लिया। इसके बाद उक्त जमीन के कुछ हिस्सों का बेच अन्य हिस्से का एग्रीमेंट कर दिया। दूसरे भाई को जब यह बात पता चली की उसके हिस्से की भी जमीन बेच दी गयी है तब उसने बदहवाश होकर पुलिस की शरण ली। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी व बेईमानी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

स्कूल की बाउंड्री वॉल गिरी

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। मटेरा विधानसभा के ग्राम पंचायत भौखारा के प्रांगण में समाजसेवी शिवेंद्र ठाकुर के द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।शिवेंद्र ठाकुर जी द्वारा लगातार क्षेत्र में चिकित्सा शिवरो का आयोजन किया जाता रहा है।इस चिकित्सा शिविर में लगभग 85 लोगों का नेत्र परीक्षण कर चश्मे और दवा का वितरण किया गया।निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में लगभग से 150 रोगियों को देखा गया समाजसेवी शिवेंद्र ठाकुर द्वारा आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। समाज सेवी द्वारा कहा गया कि आगे आने वाले समय में बृहद रूप से नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया जाएगा उनके द्वारा कहा गया कि लोगों की सेवा करना ही हमारा धर्म है और मैं सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ आए हुए सभी लोगों ने समाजसेवी के द्वारा किए गए आयोजन के लिए धन्यवाद कहा। इस मौके मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला, लव शुक्ला महेश तिवारी, अवधेश गुप्ता, धर्मेंद्र कश्यप शोभा कश्यप ग्राम प्रधान मनीराम यादव व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मनगौढिया गांव के पास खेत में मिले दो तेंदुओं के शव, वन विभाग में मचा हड़कंप

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के रेंज मोतीपुर क्षेत्र का मामला

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट के ग्रामीण क्षेत्र के मनगौढिया गांव के एक खेत में दो अलग-अलग जगहों पर दो तेंदुए के शव दिखाई पड़े, जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया प्रथम दृष्टया वर्चस्व की लड़ाई में किसी बड़े तेंदुए द्वारा तेंदुओं को गला काटकर मौत के घाट उतारने का मामला लग रहा है। जिसकी सूचना मनगौढिया निवासी विश्व परिषद के नेता संदीप कुमार सिंह ने वन विभाग को दी। वन क्षेत्राधिकारी मोतीपुर के नेतृत्व में डाक्टरो के साथ पंहुची वन विभाग की टीम ने आवश्यक जाँच पड़ताल के उपरांत दो तेंदुओं के शव को वन रेंज कार्यालय मोतीपुर ले आई है। जहां पर तेंदुओं के शव का पोस्टमार्टम वन विभाग के उच्चाधिकारियों के गठित पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा किया जायेगा।

मनगौढिया गांव के ग्रामीणों ने बताया कि सुबह जब ग्रामीण खेत की तरफ गए तो देखा गन्ने के खेत के किनारे लगे पेड़ के पास खेत मे एक तेंदुआ का शव पड़ा था जिसके बाद लगभग बीस से पच्चीस मीटर की दूरी पर दूसरे तेंदुआ का शव पड़ा दिखाई दिया और पास लगे आम के पेड़ पर पंजों के खरोंच के काफी निशान लगे पाये गये। जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि यह बाघ का हमला हो सकता है। तेंदुओं की मौत की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय संदीप सिंह मौके पर पंहुचे और दो तेंदुओं की मौत की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पशु चिकित्सक के साथ पंहुची वन विभाग की टीम दोनों तेंदुओं के शव को उठा कर वन रेंज कार्यालय मोतीपुर लाई जहां वन विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा पशु चिकित्सक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

कतर्नियाघाट के प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि मोतीपुर वन रेंज क्षेत्र अन्तर्गत जंगल से दूर मनगौढिया गांव के पास एक खेत में दो मृत मिले तेंदुओं के शव मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम द्वारा दोनों तेंदुओं के शव को रेंज कार्यालय लाया गया। मृत पाए गए तेंदुओं में एक नर है तो वहीं दूसरी मादा तेंदुआ है जिनकी उम्र लगभग सात से आठ माह की है। मौके पर जाँच में किसी बड़े तेंदुए के पदचिह्न भी मिले हैं।जिससे प्रथम दृष्टया उसी के द्वारा हमलावर दो तेंदुओं को मौत के घाट उतारने का मामला लग रहा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरा पता लग सकेगा।

शिक्षकों के हित के लिए सदैव लड़ता रहूंगा: अजय सिंह

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। रविवार को बहराइच दौरे पर आए शिक्षक महासभा के प्रदेश महासचिव एवं भाजपा शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अजय सिंह बाबागंज स्थानीय हाजी यूसुफ इंटर कॉलेज में पहुंचे और शिक्षकों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों से एमएलसी चुनाव की चर्चा की और कहा शिक्षक हित मेरे लिए सर्वोपरि है। श्री सिंह ने कहा कि मै वित्त विहीन शिक्षकों का दर्द जानता हूं जो विषम परिस्थितियों मे भी वे बड़ी तन्मयता से शिक्षण कार्य करते हैं। मै पूरी तरह से शिक्षकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता रहूंगा। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख जय प्रकाश सिंह व प्रमुख प्रतिनिधि शिवपूजन सिंह ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर दिनेश मिश्रा, अजय सिंह अज्जू, दुर्गेश वर्मा, दस्तगीर शाह, अमेरिका तिवारी व विद्यालय के शिक्षकों सहित क्षेत्र के कई शिक्षक मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत भ्रमणशील रहे डीएम व एसपी

पौराणिक सिद्धनाथ मन्दिर में विधि-विधान के साथ किया जलाभिषेक

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह तथा जिले के अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी निरन्तर भ्रमणशील रहका व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। नगर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान डीएम व एसपी ने पौराणिक सिद्धनाथ मन्दिर पहुंचकर महामण्डलेश्वर श्री रवि गिरि जी महाराज के नेतृत्व में जलाभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना भी की। इस अवसर पर डीएम व एसपी ने महामण्डलेश्वर गिरि जी महाराज से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

महाशिवरात्रि पर एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने स्वयं संभाली कमान

तहसील प्रशासन नानपारा रहा सतर्क

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

नानपारा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तहसील नानपारा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु तहसील प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी ने स्वयं विभिन्न शिव मंदिरों एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम श्रीमती जौहरी ने प्रातः काल से ही क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों, जलाभिषेक स्थलों एवं मेले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस व राजस्व टीमों को भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम दर्शन व्यवस्था पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। शांति भंग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। तहसील प्रशासन, पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों ने पूरे दिन सक्रिय रहकर पर्व को सकुशल संपन्न कराया। प्रशासन की सतर्कता एवं समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में महाशिवरात्रि का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मंदिर परिसर में शिवपुराण कथा का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के रानी खेड़ा खालसा गांव स्थित फुलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शनिवार से शिवपुराण कथा का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन कथा वाचिका मंजू कल्याणी ने श्रद्धालुओं को विद्युत ब्राह्मण की कथा सुनाकर धर्म और भक्ति का महत्व बताया।कथा के दौरान उन्होंने कहा कि विद्युत ब्राह्मण एक संपन्न और संस्कारी परिवार से थे, लेकिन गलत संगति में पड़कर उन्होंने अपना जीवन और धन दोनों नष्ट कर दिए। उन्होंने परिवार का साथ छोड़ दिया और सांसारिक मोह-माया में फंस गए। जीवन के उत्तरार्ध में जब उन्हें अपने कर्मों का बोध हुआ और शारीरिक रूप से अशक्त हो गए, तब उन्हें भगवान शिव की शरण का स्मरण हुआ। शिवपुराण की कथा श्रवण और भक्ति के माध्यम से उन्होंने अंततः मुक्ति प्राप्त की। मंजू कल्याणी ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन व्यक्ति को कभी हार नहीं माननी चाहिए। गलत मार्ग और कुसंगति जीवन को विनाश की ओर ले जाती है, जबकि भगवान की भक्ति और सत्संग जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि शिवपुराण की कथा सुनने और भगवान शिव की आराधना से आत्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।कथा आयोजन में ग्राम प्रधान अनिल सिंह, राम चंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खिड़की तोड़कर घर में घुसे चोर

लाखों के गहने और नकदी लेकर हुए फरार, सुबह घर वालों को चला पता

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, जिले के कोतवाली पट्टी थाना क्षेत्र के अखौवा गांव में बीती रात एक बड़ी चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने एक मकान में घुसकर लाखों रुपये के आभूषण और लगभग 10 हजार रुपये नकद चुरा लिए। चोरों ने घर के पीछे सीढ़ी लगाकर खिड़की तोड़ी और अंदर दाखिल हुए। यह घटना हरिकांत की पत्नी शोभा देवी के घर में देर रात हुई।

सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो उन्होंने कमरे का सामान बिखरा हुआ पाया और खिड़की टूटी हुई मिली। आलमारी का ताला टूटा देखकर परिवार को चोरी का पता चला। जांच में पुष्टि हुई कि उसमें रखे कीमती गहने और नकदी गायब थे।सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक कमलेश कुमार पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस अब आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

संक्षेप

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

म्योरपुर, सोनभद्र। विकासखंड म्योरपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत आरंगपानी के छत्ताकरम मोतीलाल खरवार के घर के पास की क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर युवा समाजसेवी राजू कुमार गुप्त के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सांकेतिक प्रदर्शन किया। ग्रामीण मोतीलाल खरवार का कहना है कि यह सड़क विगत कई वर्षों से ठेकेदार द्वारा सोलिंग डाल कर छोड़ दिया गया है, जिससे आने-जाने में दिक्कत होती है। सड़क हादसे भी हो रहे हैं। छोटे बच्चे विद्यालय आते-जाते समय हादसे का शिकार हो जा रहे हैं। रास्ता खराब होने के कारण समय पर एंबुलेंस भी मौके पर नहीं पहुंच पाती है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए क्षतिग्रस्त सड़क की अतिशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने की मांग किया है। मौके पर राजू कुमार गुप्ता, राजकुमार, कुसुम देवी, रामदेव, रजिया देवी, लक्ष्मी देवी, मोतीलाल खरवार, राजदेव, मनोज खरवार, सुशीला देवी आदि मौजूद रहीं। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के जेई से संपर्क किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

म्योरपुर, सोनभद्र। स्थानीय ब्लाक के ग्राम पंचायत रणहोर के मिचाधुरी और धुर्वाह के ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराए जाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव से दस किमी परिक्षेत्र में कोई स्वास्थ्य केन्द्र न होने से उन्हें अनपरा और डिबुलगंज जाना पड़ता है। इसी तरह धुर्वाह से अनपरा की दूरी 20 किमी है। ऐसे में उन्हें इलाज के लिए झोलाछाप की शरण में जाकर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। स्थिति यह है कि धुर्वाह दक्षिण टोले में एंबुलेंस भी नहीं पहुंच पाती है। ग्रामीण चंदा, लक्षण, सुनीता, मोहन, सुरेश, बाबूराम, बुधई आदि ने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी हम लोग ज्यादा दूरी के कारण नहीं ले पा रहे है। गांव में स्वास्थ्य केंद्र हो जाए तो हम लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिलना सरल हो जाएगा और झोलाछाप से भी मुक्ति मिल जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द स्वास्थ्य केंद्र नहीं स्थापित होगा तो हम लोग ब्लॉक और जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देने को मजबूर होंगे।

आनलाइन कक्षाओं के संचालन पर लगी रोक

सोनभद्र। जनपद में कक्षा 5 तक के समस्त शासकीय, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं, होमवर्क और असाइनमेंट मोबाइल के माध्यम से भेजे जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के पत्र के संदर्भ में यह निर्णय लिया गया है। हाल के घटनाक्रमों और बच्चों में मोबाइल की बढ़ती निर्भरता को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। आदेश के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में विद्यालयों द्वारा व्हाट्सएप या अन्य डिजिटल माध्यमों से शैक्षणिक कार्य भेजना प्रतिबंधित रहेगा। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि विद्यालयों में ही समस्त शैक्षणिक कार्य पूर्ण कराए जाएं तथा होमवर्क भी विद्यालय स्तर पर ही दिया जाए। अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर मोबाइल आधारित ऑनलाइन शिक्षण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

30 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी

महाशिवरात्रि पर माघ मेला का आखिरी स्नान, शिवालयों में लगी लंबी लाइन

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, मेला क्षेत्र में स्थित मनकामेश्वर मंदिर, नागवासुकी मंदिर, सोमेश्वर महादेव एवं अन्य प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतार लगी है। श्रद्धालु सुबह के समय से ही घाटों पर पहुंचकर गंगा में पवित्र स्नान कर रहे हैं।मंत्रोच्चारण और भक्ति के साथ आस्था की यह परंपरा जारी है। सरकार और प्रशासन ने सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल तथा-सुविधाओं की विस्तृत तैयारियां की हैं।वरुणेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ \ प्रयागराज के फूलपुर स्थित पौराणिक वरुणेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मान्यता है कि वरुणा नदी के किनारे इसी स्थान पर वरुण देव ने भगवान शिव की आराधना के बाद शिवलिंग की स्थापना की थी। तभी से इस मंदिर की विशेष महत्ता मानी जाती है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हजारों श्रद्धालु सुबह से लंबी कतारों में लगकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर रहे हैं और जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की गई है और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है।नागवसुकी मंदिर में दर्शन के लिए लगी भक्तों की लंबी कतार लगी दारागंज स्थित नागवसुकी मंदिर में दर्शन के लिए लगी भक्तों की लंबी कतार लगी है। सुबह से ही लोगों का आना जाना लगा हुआ है।माघ मेले से अपडेट दे रहे रिपोर्टर अभिषेक सिंहसुबह 10 बजे तक माघ मेला में 21 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। प्रशासन ने 20 लाख तक आज के स्नान की उम्मीद जताई थी, लेकिन आंकड़ा ऊपर निकल गया।प्रयागराज माघ मेला का ड्रोन वीडियो महाशिवरात्रि पर प्रयागराज मेले में संगम में स्नान कर रहे हैं।चावल के दाने पर जय श्रीराम लिखकर श्रद्धालुओं को वितरित कर रहेमाघ मेला में आए मनीष पाल श्रद्धालुओं को चावल के दाने पर जय श्रीराम का नाम लिखकर सभी को फ्री में वितरण कर रहे हैं। अपनी आस्था और आर्ट का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने यह संकल्प लेकर माघ मेला सभी श्रद्धालुओं को यह प्रसाद स्वरूप वितरण कर रहे हैं।

12वीं के छात्र की मौत का राज मोबाइल में मिला

प्रयागराज में गर्लफ्रेंड ने लिखा. आई एम सॉरीण्तुम मर जाओए मुझसे कोई मतलब नहीं

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , 17 साल के इंटर के छात्र आशुतोष प्रताप गिरी की मौत का राज उसके मोबाइल में मिला। इसमें लिखा था. आई एम सॉरी३ तुम मर जाओ३ मुझसे कोई मतलब नहीं।नीचे छात्र की मौत के मामले में आरोपी बनाई गई उसकी गर्लफ्रेंड का नाम भी लिखा था। इसी आधार पर परिजनों ने युवती समेत छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। परिजनों का दावा है कि यह लेटर आरोपी युवती ने ही भेजा था। यह लेटर कॉपी के एक पन्ने पर लिखा गया। इसके बाद इसकी फोटो खींचकर छात्र के मोबाइल पर भेजा गया। पुलिस का कहना है कि मोबाइल में मिले इस लेटर और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर हैंडराइटिंग और डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण कराया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आई नोण्ण्ण्क मैं तुमसे बहुत प्यार करती रही लेकिन मैं अब तुम्हारे साथ नहीं रह सकती।ष्आई एम सॉरी३ तुम मर जाओ३ मुझसे कोई मतलब नहींष्।

गर्लफ्रेंड समेत छह पर एफआईआर

इससे पहले इस मामले में छात्र की गर्लफ्रेंड समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। खुदकुशी के लिए उकसानेए धमकी देने और जबरन वसूली के आरोप में केस दर्ज किया गया। आरोप है कि इन लोगों ने उसे आत्महत्या के लिए उकसाया।रेप के झूठे मुकदमे में फंसाने और हत्या की धमकी दीए साथ ही जबरन पैसे भी वसूले। पुलिस हिरासत में ली गई छात्रा की गर्लफ्रेंड से पूछताछ जारी है। गर्लफ्रेंड के अलावा उसकी रूममेट स्वीटी और दोस्तों आनंदए आर्यनए शिवांशुए अक्षत को नामजद किया गया है।

मां बोलींए आठ महीने से कर रही थी परेशानछात्र की मां मनसा देवी ने आरोप लगाया कि आरोपी युवती उनके बेटे को लगभग आठ महीने से परेशान कर रही थी। वह कोचिंग में उसके साथ पढ़ती थी। उन्होंने बताया कि लड़की लगातार उससे पैसे मांगती थी और दिन.रात फोन करती रहती थी। इस बात की शिकायत कोचिंग की एक मैडम से भी की गई थी। कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए लड़की के पिता से बात कराई गईए लेकिन उन्होंने उल्टा उनके बेटे को ही गलत ठहरा दिया।

एक किलोमीटर पीछा कर ई-रिक्शा चालक पर हमला

ई-रिक्शा की स्कूटी से मामूली टक्कर के बाद हुआ था विवाद, लहूलुहान कर भागे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , ई-रिक्शा व स्कूटी की मामूली टक्कर के बाद जमकर बखेड़ा हो गया। स्कूटी सवारों ने एक किलोमीटर तक ई-रिक्शा चालक का पीछा किया और फिर उसे बीच रास्ते में रोककर दौड़ा दौड़ाकर पीटा। ई-रिक्शा में सवार महिलाओं ने बचाने का प्रयास किया तो उनसे भी हाथापाई की गई हमले में ई-रिक्शा चालक व उसका साथी लहूलुहान हो गए। वारदात के बाद आरोपी भाग निकले। मौके से एक नंबर प्लेट मिली है, जो आरोपी युवकों में से किसी एक के ई-रिक्शा की बताई जा रही है।

एक नजर डालते हैं वारदात पर

मामला सिविल लाइन के सुभाष नगर का है। यहां एक स्कूटी पर सवार दो युवकों ने आगे चल रहे ई-रिक्शा को रुकवा लिया। दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। तभी बाइकों व स्कूटी पर सवार होकर आए कुछ हमलावरों ने ई-रिक्शा चालक व उसके साथी पर हमला बोल दिया। सरेआम मारपीट की वारदात से हड़कंप मच गया। दो महिला सवारी के साथ भी अभद्रता की गई। यह महिलाएं किसी धार्मिक यात्रा से लौट रहीं थीं।

ई-रिक्शा चालक को दौड़ा दौड़ाकर पीटा

हमलावर की आंखों में खून उतरा हुआ था। वह यह भी नहीं देख पा रहे थे कि आस पास मौजूद लोग उनका विरोध कर सकते हैं।

इसके बावजूद उन्होंने ई-रिक्शा चालक व उसके साथी को दौड़ा लिया और जमकर पीटा। करीब 100 मीटर तक वह दोनों को पीटते रहे।

हर हर बम-बम के जयकारों से गुंजायमान हुए शिवालय

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर,जनपद के सभी विकासखंडों के क्षेत्र में स्थापित शिव मंदिरों पर महाशिवरात्रि पर्व को लेकर भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा जनपद की ऐतिहासिक शिव मंदिर ताम्बेश्वर महादेव गूढेश्वर अखंड धाम राजराजेश्वर थवईश्वर भर्थहरीश्वर समेत सभी क्षेत्रों में कांवड़ियों का भारी जनसैलाब देखने को मिला प्रातः काल से हजारों की संख्या में पहुंचे दर्शकों ने कतार बद्ध खड़े होकर दर्शन करने के लिए बारी का इंतजार करते रहे मंदिर पहुंचे दर्शकों ने बेल पत्र दूध गंगाजल आदि अर्पित करते हुए महा अभिषेक संपन्न किया ठीक इसी प्रकार जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे अंतर्गत बाबा बैजनाथ धाम मल्लिकार्जुन धाम आदि में भी भक्तों ने पूजा अर्चना की कस्बे में स्थापित ऐतिहासिक भंवरगिरि मंदिर में विराजमान भगवान शिव का बुजुर्ग राजरानी दुबे मनोज त्रिवेदी डॉक्टर उत्प्रेक्षा त्रिवेदी रेणुका पाण्डेय आदि ने भी रुद्राभिषेक करते हुए यज्ञ हवन संपन्न किया संपूर्ण अनुष्ठान आचार्य पंडित करुणा शंकर शास्त्री आचार्य पंडित गंगाधर शुक्ल आदि की टोली द्वारा संपन्न कराया गया ठीक इसी प्रकार विकासखंड क्षेत्र के कुलखेड़ा गांव में स्थापित बंसी बाबा में भी भक्तों ने पूजा अर्चना की थाना प्रभारी चांदपुर विनोद पटेल अमौली चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह समेत भारी संख्या में पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद रुकी

आकांक्षा-शाहवेज की शादी, मां बोलीं- लव जिहाद का आरोप गलत

अमन लेखनी समाचार

मेरठ में आकांक्षा और शाहवेज का विवाह तय तारीख 13 फरवरी को नहीं हो सका। कुछ हिंदू संगठनों के विरोध के बाद विवाह कार्यक्रम रोक दिया गया। इस मामले में शाहवेज की मां शहनाज ने बयान दिया है कि उनके बेटे को गलत तरीके से 'लव जिहाद' में फंसाया जा रहा है, जबकि दोनों बालिग अपनी मर्जी से शादी करना चाहते थे। शहनाज ने बताया कि दोनों परिवार इस रिश्ते से सहमत थे और यह विवाह आकांक्षा तथा शाहवेज की आपसी सहमति से तय हुआ था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शादी बौद्ध धर्म की रीति-रिवाजों से होनी थी और इसके लिए कानूनी प्रक्रिया भी पूरी की जा रही थी। कचहरी और थाने में आवश्यक कागजी कार्रवाई हो चुकी थी और विवाह प्रमाण पत्र मिलने वाला था। शाहवेज की मां ने आरोप लगाया कि कुछ हिंदू संगठनों के सदस्यों ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों ने चेतावनी दी थी कि यदि शादी हुई तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसी दबाव के कारण फिलहाल शादी रोक दी गई है। शहनाज ने यह भी जानकारी दी कि शाहवेज पिछले लगभग छह साल से आकांक्षा के परिवार के संपर्क में था। उनके अनुसार, आकांक्षा के पिता के जीवित रहते भी शाहवेज का उनके घर आना-जाना था। परिवार को

इस बात की पूरी जानकारी थी कि शाहवेज मुस्लिम है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया था। शादी के कार्ड में नाम को लेकर उठे सवालों पर शहनाज ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने बताया कि आकांक्षा की मां उनके बेटे को प्यार से 'साहिल' कहकर बुलाती थीं, इसलिए कार्ड में वही नाम लिखवाया गया था।

सुरक्षा का विश्वास, पुलिस का प्रयास–मिशन शक्ति 5.0

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर- मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। बिशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई।

मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया

112 - आपातकालीन सेवा

1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181 - महिला हेल्पलाइन

1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है

असलम हत्याकांड के तीन आरोपी दिल्ली मुठभेड़ में गिरफ्तार

वारदात की फिराक में थे असद, आमिर और जव्वाद उर्फ आहिल, दरोगा बाल-बाल बचा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,असलम हत्याकांड में वांछित तीन बदमाशों की दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। तीनों बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस वारदात में एक दरोगा भी घायल हुआ है, जिसे गोली छूकर निकल गई। मेरठ पुलिस की एक टीम दिल्ली भेजी गई है जो शनिवार को तीनों को मेरठ लाएगी। पहले एक नजर वारदात पर नौचंदी थाने से महज 50 कदम की दूरी पर जैदी फार्म इलाका 6 फरवरी को गोली की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां कुछ हमलावरों ने स्क्रैप कारोबारी असलम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें उसकी मौत हो गई।इस घटना में शोएब नाम का एक अन्य युवक भी घायल हुआ था। डेढ़ वर्ष पहले अरशद नाम की युवक की हत्या की गई थी। बताया जाता है कि उसी का बदला लेने के लिए असलम को मारा गया है। इस वारदात के बाद से क्षेत्र में तनाव है। दोस्त शोएब संग खड़ा था असलमवारदात वाले दिन असलम जैदी फार्म की गली नंबर चार के बाहर अपने दोस्त शोएब के साथ खड़ा बात कर रहा था। इसी दौरान हमला हो गया। चार से पांच गोली असलम को लगी और वह जमीन पर गिर गया। शोएब के कंधे में भी एक गोली लग गई। हमलावर भाग निकले। आनन फानन में दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से असलम की नाजुक हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया। रात में असलम की मौत हो गई, जिसके बाद तनाव बढ़ता चला गया। उसी रात असलम के पिता मोहम्मद इमरान की तरफ से मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें आहद पुत्र शमीम, असद, रिहान, तारिक, राशिद, शमी पुत्रगण अमीर अहमद के अलावा इस्माइल पुत्र शमीम, समीर उर्फ मोटा बवानिया पुत्र सलीम, अमीर अहमद पुत्र इशाक, चंदन पुत्र इशाक और आमना पुत्र शमीम को नामजद किया गया था। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए आस पास के जनपदों से भी संपर्क किया गया है। गुरुवार आधी रात को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल को सूचना मिली कि मेरठ से फरार असद गिरोह के सदस्य किसी वारदात की फिराक में हैं। उनकी निगरानी शुरू कर दी गई। वजीराबाद-उस्मानपुर मार्ग पर कई जगह पुलिस की चेकिंग शुरू करा दी गई। जैसे ही बदमाश दिखाई दिए, पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन वह भाग निकले। असद समेत तीन को लगी गोली बदमाशों पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाल लिया। इसी दौरान पुलिस की गोली लगने से तीनों बदमाश घायल हो गए, जिनकी पहचान 36 वर्षीय असद, 24 वर्षीय आमिर उर्फ हुसैन और 22 वर्षीय आहिल उर्फ जव्वाद के रूप में हुई।

यात्रा निकाल मनरेगा के लिए बुलंद की आवाज

अमन लेखनी समाचार

श्रावस्ती। कांग्रेस की ओर से मनरेगा बचाओ विशाल पदयात्रा का आयोजन को किया गया। यात्रा का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्यामणि त्रिपाठी ने किया। पदयात्रा बंठीहवा चौराहे से शुरू होकर भिनगा जिला मुख्यालय तक पहुंची। पदयात्रा के दौरान नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मनरेगा को कमजोर किए जाने के प्रयासों के खिलाफ आवाज बुलंद की और आमजन को जागरूक किया। मनरेगा प्रभारी अमन पांडेय ने कहा कि मनरेगा ने गांवों में रोजगार और विकास को मजबूती दी है। बजट कटौती और भुगतान में देरी सरकार की असफलता है, जिसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों और मजदूरों की जीवनरेखा है। जिस तरह राहुल गांधी देशभर में गरीबों, मजदूरों और किसानों की आवाज उठा रहे हैं।

स्वच्छता अभियान चला नागरिकों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

अमन लेखनी समाचार

श्रावस्ती। नगर पालिका परिषद भिनगा द्वारा ह्लस्वच्छ भिनगा, सुंदर भिंगाह्व अभियान के अंतर्गत आज वार्ड संख्या 20, नई बाजार में विशेष सफाई एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया और स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत बाजार क्षेत्र में उपस्थित लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिशाषी अधिकारी डा. अनीता शुक्ला ने बताया कि घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करके नगर पालिका की कचरा संग्रहण गाड़ी में ही डालें। जिससे शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के दौरान आमजन से अपील की गई कि वे स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में सक्रिय सहयोग दें और खुले में कचरा न फेंकें। साथ ही नागरिकों को टोल फ्री नंबर 1533 और 14420 की जानकारी भी दी गई, ताकि वे सफाई संबंधी शिकायत या सुझाव सीधे दर्ज करा सकें।

किशोरी जीवन कौशल एवं नेतृत्व विकास कार्यशाला आयोजित

अमन लेखनी समाचार

श्रावस्ती। आशा एवं एएनएम ट्रेनिंग सेंटर भिनगा में एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) के अंतर्गत किशोरियों के जीवन कौशल एवं नेतृत्व विकास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग उप्र तथा मिलान संस्था की ओर से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परियोजना निदेशक जिला ग्राम विकास अभिकरण अधिकारी अश्विनी कुमार ने की। उन्होंने कहा कि किशोरियों में किया गया निवेश समाज के दीर्घकालिक एवं सतत विकास की एक मजबूत नींव है। साथ ही उन्होंने यह जानकारी दी कि समाज के वंचित तबके को खास कर घुमंतू परिवार को सरकार की सभी विशेष योजनाओं से जोड़ा जाए। इसका आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य 11 से 18 वर्ष की आयु की किशोरियों की नियमित सहभागिता को सुदृढ़ करना तथा शिक्षा में निरंतरता, स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता, जीवन कौशल और नेतृत्व क्षमता से जुड़े परिणामों में सुधार लाना है। वर्तमान में यह कार्यक्रम बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम कोा र समाहित करते हुए इसका क्रियान्वयन आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा। इसके अंतर्गत गांव स्तर पर किशोरियों के सुरक्षित समूहों का गठन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों की क्षमता सुदृढ़ीकरण तथा महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, मिशन शक्ति एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसी समानांतर संरचना का निर्माण किए

खास समाचार

पारिवारिक विवाद से आहत युवक 33 हजार के हाईटेंशन विद्युत टावर पर चढ़ा

पुलिस की तत्परता, संवाद कौशल एवं सूझबूझ से सकुशल रेस्क्यू हुआ।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 15.02.2026 को सायंकाल विश्राम कुमार पुत्र जंगी प्रधान निवासी ग्राम मगरदहा थाना करमा जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 23 वर्ष, अपने ससुराल ग्राम छपका थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र में पत्नी की विदाई हेतु आया था। पारिवारिक कारणों से विदाई न होने पर क्षुब्ध होकर उक्त युवक 33 हजार के हाईटेंशन विद्युत टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा संयम, धैर्य एवं संवाद स्थापित कर युवक को समझाया गया। काफी प्रयास के उपरांत युवक को सुरक्षित एवं सकुशल नीचे उतार लिया गया, जिससे एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। परिजनों को सूचना दे दी गई है तथा आवश्यक अग्रेतर विधिक एवं शांति व्यवस्था संबंधी कार्यवाही की जा रही है। मौके पर स्थिति पूर्णतः सामान्य है।

गाजीपुर जिले में महाशिवरात्रि पर्व पर पूरे नगर और ग्रामीण क्षेत्र में शिव मंदिर में जलाभिषेक में उमड़ी भीड़

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले में नगर और ग्रामीण क्षेत्र में शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए उमड़ी भीड़ जो भोर से श्रद्धालु गंगा नदी में स्नान करते हुए शिव मंदिर में जलाभिषेक शुरू कर दी आज हर शिव मंदिर में जलाभिषेक करने पुरुष और महिला बच्चे की भीड़भाड़ बना हुआ था जिला प्रशासन द्वारा सुव्यवस्थित सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। गंगा नदी के शहरी क्षेत्र के गंगा घाट और सैदपुर, चोचकपुर मौनी बाबा धाम, चकेरी मां धाम, पुलिस प्रशासन ने लोगों को गंगा घाट पर स्नान करने सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस टीम लगाई गई थी। स्नान करने के बाद श्रद्धालु हर महादेव हर हर महादेव नारे लगाते हुए शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। बूढ़े महादेव मंदिर गोराबाजार, सैदपुर , चौमुखी शिव मंदिर, बूढ़े एकशिला महादेव रामपुर मांझा आदि स्थानों पर शिव बारात निकाली गई जिसमें भोलेनाथ और उनके साथ बाराती के रूप नन्दी,बानर भालुआदि देवता संचित रूप धारण बारात में शामिल हुए थे। भक्ति मय संगीत बैंड बाजा बारात में धुमधाम लोग साथ चल रहे थे। शिवालयों में जाकर शिव बारात को स्वागत किया गया। सभी लोग को प्रसाद वितरित किया गया।

महाकाल सेवा समिति द्वारा निकली भव्य शिव बारात, डीजे की धुन और झांकियों से शिवमय हुआ नगर

ओबरा सोनभद्र। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकाल सेवा समिति के तत्वावधान में ओबरा नगर में विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी भव्य शिव बारात हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। प्रातः नगर के पुराने थाना परिसर से ह्लहर हर महादेवह्व के जयघोष के साथ बारात का शुभारंभ हुआ और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शिव बारात हनुमान मंदिर, डिग्री कॉलेज मार्ग, गीता मंदिर, सुदामा पाठक हनुमान मंदिर होते हुए राम मंदिर प्रांगण पहुँची। पूरे मार्ग में डीजे की भक्तिमय धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। शिव भजनों और जयकारों से नगर का प्रत्येक कोना शिवमय दिखाई दिया। बारात में आकर्षक धार्मिक झांकियों ने विशेष आकर्षण पैदा किया। झांकियों के माध्यम से भगवान शिव, माता पार्वती तथा विभिन्न पौराणिक प्रसंगों का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। लगभग 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने इस शिव बारात में सहभागिता की।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालयों में लगा भक्तों का तांता

अतिप्राचीन बाबा सोभनाथ मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जुगैल पुलिस रही चाक चौबंद।

अमन लेखनी समाचार

चोपन /सोनभद्र - महाशिवरात्रि पर्व पर नगर सहित आसपास के शिवालयों पर भोर से ही शिवभक्तों का आने का क्रम शुरू हो गया जो देखते देखते लंबी कतार में तब्दील हो गई नगर के कैलाश मंदिर, नर्वदेश्वर महादेव मंदिर, श्री रामेश्वर महादेव मंदिर, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर में जहां शिवभक्तों ने पूरी श्रद्धा से पूजन अर्चन किये तो वहीं जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत गोठानी में सोन नद पर विराजमान अतिप्राचीन बाबा शोभनाथ मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक कियो बताते चलें कि यह ऐतिहासिक मंदिर गुप्त काशी के नाम से विख्यात है जहां महाशिवरात्रि पर क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और बाबा का दर्शन पूजन करते हैं यहां पर लगने वाले मेले का एक अलग ही आनंद होता है लोगबाग दर्शन पूजन के पश्चात परिवार सहित मेले का लुत्फ उठाते हैं साथ ही गोठानी की मशहूर गुड़हिया जलेबी का स्वाद जरूर चखते हैं वहीं मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए मंदिर कमेटी के साथ ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय रहती है

सोनभद्र पुलिस महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है तथा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह अभियान निरंतर संचालित किया जाता रहेगा

साइबर क्राइम पुलिस द्वारा वढक से गलत ट्रांसफर हुई 5,200/- धनराशि कराई गई वापस।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदक रत्नेश कुमार तिवारी निवासी नरखोटीयाँ, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र द्वारा वढक के माध्यम से धनराशि प्रेषित करते समय त्रुटिवश 5,200/- (पांच हजार दो सौ रुपये) अन्य खाते में स्थानांतरित हो जाने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम पुलिस थाना के नेतृत्व में साइबर टीम द्वारा ठउफढ पोर्टल पर पंजीकृत शिकायत का परीक्षण कर आवश्यक विवरण संकलित किया गया।

जिलाधिकारी ने विद्यालयों में मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण, मतदाताओं से फॉर्म-6 भरने की अपील

जिलाधिकारी ने नोटिस जारी किये मतदाताओं से की अपील, निर्धारित समय, स्थल व तिथि पर उपस्थित होकर प्रदान करें अपना सहयोग- जिला निर्वाचन अधिकारी

मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में अशुद्ध, डुप्लीकेट अथवा त्रुटिपूर्ण हैं, वे बूथ पर उपस्थित होकर आवश्यक प्रपत्रों के माध्यम से अपने नाम शुद्ध कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से न रहें वंचित- जिला निर्वाचन अधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ एस0आई0आर0 अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कंपोजिट विद्यालय मल्टीस्टोरी बिल्डिंग राबर्ट्सगंज के मतदान केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण किये, इस दौरान उन्होंने कम्पोजिट विद्यालय के बूथ संख्या-49, 50 व 51 में ई0आर0ओ0 द्वारा नोटिस पर की जा रही सुनवाई व नये मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने आदि प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने बी0एल0ओ0 को निर्देशित करते हुए कहा कि नो मैपिंग वाले जिन मतदाताओं को नोटिस जारी की गयी है, वह निर्धारित तिथि पर निर्धारित स्थल पर उपस्थित हों, जिससे नोटिस सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित समय अवधि में हो सकें। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज में स्थापित बूथ संख्या 14, 15, 16, 17, 18, 19 एवं 20 का भी निरीक्षण किये, उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित अभिलेखों, नोटिस वितरण एवं सुनवाई की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि ऐसे युवा जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, और उनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी की गई है तथा उनकी सुनवाई संबंधित बूथों पर निर्धारित तिथियों में ई0आर0ओ0 द्वारा की जा रही है। जिलाधिकारी ने संबंधित मतदाताओं से अपील की कि वे अपने निर्धारित बूथ पर निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में अशुद्ध, डुप्लीकेट अथवा त्रुटिपूर्ण हैं, वे भी बूथ स्तर पर उपस्थित होकर आवश्यक प्रपत्रों के माध्यम से अपने नाम शुद्ध कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहें।

बाबा सोमनाथ मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं कि उमड़ी भीड़

सुरक्षा व्यवस्था में थाना जुगैल पुलिस मुस्तैद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। के एक ऐसा शिव जी कि मन्दिर जो गुप्त काशी के नाम से विख्यात है ।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रेणूकानदी पार थाना जुगैल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गोठानी में स्थित बाबा सोमनाथ मंदिर मे हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर दर्शन पुजन करते दिखे। बाबा सोमनाथ मंदिर 11वीं शताब्दी का बताया जाता है जो कि अगोरी किला के राजा बालमशाह द्वारा निर्माण कराया गया था। जो कि बाबा सोमनाथ मंदिर गुप्त काशी के रूप में पुजे जाते हैं। महाशिवरात्रि पर्व से लेकर होली तक मेले का आयोजन किया जाता और इस मेले मध्यप्रदेश से लेकर झारखंड,बिहार, छत्तीसगढ़ से लोग आते हैं जो भी बाबा सोमनाथ मंदिर में मन्नत मांगते हैं उसको बाबा सोमनाथ पुर्ण करते हैं इस मेले में अनेको प्रकार के दुकान देखने को मिलता है।

अधिवक्ता संजय सक्सेना के हत्यारो को अविलंब गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई करें मध्य प्रदेश पुलिस-राकेश

सँयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री व मध्य प्रदेश के उच्चाधिकारियों को लिखा पत्र

(पीड़ित परिवार को एक करोड़ की।आर्थिक मदद देने की मांग की)

(देश के सभी प्रदेशों में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम जल्द लागू करने की मांग)

अमन लेखनी समाचार

सोंनभद्र। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जनपद के अधिवक्ता साथी संजय सक्सेना की दिन दहाड़े हौंसला बुलंद हत्यारों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने की खबर से मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य प्रदेश के अधिवक्ताओ में अत्यधिक गुस्सा और आक्रोश ब्याप्त है। अधिवक्ता साथी संजय सक्सेना की नृशंस हत्या की घटना की जानकारी होते ही सँयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के प्रत्याशी राकेश शरण मिश्र ने इस संबंध में मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर घटना को अंजाम देने वाले हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने व उनके विरुद्ध कठोर कारवाई करने की माँग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि केवल मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी नित्य आए दिन अधिवक्ताओ पर हो रहे प्राणघातक हमले से अधिवक्ताओ में गहरा भय ब्याप्त हो गया है और आए दिन होने वाले हमले इस बात का प्रमाण है कि अपराधियों के अंदर किसी भी प्रदेश की पुलिस का कोई खौफ नही रह गया है।महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने माननीय मुख्यमंत्री जी से माँग किया है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाकर घटना में संलिप्त अपराधीयों को अविलंब गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कारवाई करें अन्यथा मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर के अधिवक्ताओ को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेवारी मध्य प्रदेश सरकार की होगी। साथ ही दिवंगत अधिवक्ता संजय सक्सेना के परिवार की संपूर्ण सुरक्षा करवाते हुए पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का आर्थिक सहयोग देने की मांग की है। इसके अलावा श्री मिश्र ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री से मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य प्रदेशों में जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की पुरजोर माँग करते हुए कहा है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू ना होने से अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं और आए दिन इस प्रकार की घटना को अपराधियों द्वारा बेखौफ होकर अंजाम दिया जा रहा है जो बहुत ही पीड़ादायक है। उन्होने कहा है कि जिस दिन एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो जायेगा उस दिन से अधिवक्ताओ पर हो रहे जानलेवा हमलों में बहुत कमी आएगी और देश भर के अधिवक्ताओ की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

महाशिवरात्रि पर गरौठा में भव्यता के साथ निकाली गई शिव बारात

शिव भक्ति में लीन नजर आए नगरवासी

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। नगर गरौठा में विगत कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात निकाली गई जिसमें नगर एवं क्षेत्र के हजारों महिला पुरुष शामिल हुए। दोपहर 12:00 बजे श्री रामराजा बालाजी मंदिर से शिव बारात का शुभारम्भ हुआ जो इंदिरा नगर, दुबे मोहल्ला, गिल्ले का मंदिर, टेलीफोन एक्सचेंज, मुख्य बाजार, कटरा मोहल्ला, संतोषी माता मंदिर, बजरंग धर्मशाला, कोतवाली मंडी तिराहा, गल्ला मंडी, गरौठा खुर्द, विजय चौक होते हुए लखेरी नदी पार प्राचीन शिव मंदिर पहुंची। प्राचीन शिव मंदिर में स्वागत सत्कार के पश्चात यात्रा का समापन हुआ। रास्ते में जगह-जगह नगर वासियों द्वारा बारात का स्वागत सत्कार किया गया । बारात में बाहर से आए कलाकारों द्वारा शिव भजनों पर नृत्य किया गया तथा राधा कृष्ण की झांकी भी निकाली गई। संपूर्ण यात्रा में गरौठा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही ,वही नगर के नवयुवक व बच्चे डीजे की धुन पर थिरकते हुए नजर आए।

परम संतोषी ब्राह्मण थे भक्त सुदामा - पूजा पाठक

अमन लेखनी समाचार

कचीर, गरौठा। गरौठा के ग्राम कचीर में श्रीराम राजा सरकार सिद्धपीठ हनुमान जी महाराज मंदिर प्रांगण में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत के सातवें दिन भगवान के परम मित्र सुदामा जी के चरित्र का वर्णन किया गया। वृन्दावन धाम से पधारीं कथा वाचिका पूजा पाठक ने कहा कि जो जीवन मे संतुष्ट रहता है, वह परम धनवान होता है। सुदामा जी परम संतोषी ब्राम्हण थे। उन्होंने कहा कि कलयुग में भगवान का नाम जप ही मुक्ति का साधन है। संगीतमय कथा में व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त करने वालों में गरौठा विधायक पुत्र राहुल राजपूत,दीपेंद्र सिंह पटेल सुट्टा (पूर्व जिलाध्यक्ष अपना दल एस) राजेंद्र तिवारी (प्रधान ककरवई) जयप्रकाश प्रजापति, राजकुमार सेन, विष्णुपाल, अनिल परिहार, घनेंद्र परिहार,हर्षित पटेल, दक्ष पटेल,कुंदन शर्मा, निर्वाल सिंह,क्षेत्रपाल सिंह,गंगाराम पटेरिया मौजूद रहे। कथा समापन के पश्चात आचार्य राहुल शास्त्री जी द्वारा विधि विधान से हवन पूजन करवाते हुए हवन वेदी में आहुतियां डलवाई गई। कथा परीक्षित श्रीमती नीरज विनोद गौतम रहे। भागवत कथा के सफल आयोजन के लिए दिनेश तिवारी (पुजारी) एवं दुर्गेश गौतम (महंत) द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। संचालन हेमन्त यादव ने किया। मुख्य गायक ऑर्गन वादक जीतू दीक्षित ,सह गायक गुड्डू पाठक, ढोलक पर रोहित कुमार एवं पैड पर विशाल ने संगत दी। इस मौके पर श्रीराम राजा सरकार कमेटी के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

आज होगा विशाल भंडारे का आयोजन

मंदिर के पुजारी पंडित दिनेश तिवारी ने बताया कि आज सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से भंडारे में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया।

वैदिक भारत रत्न से नवाजे गए नर्सिंग ऑफिसर योगाचार्य पं नवीन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।हिन्दनगर, आशियाना स्थित एक्सिस मैक्स लाइफ इन्सुरेंस के ऑफिस मे सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें सभी समाजसेवियों, वरिष्ठ नागरिकों और देश के प्रति अपनी सेवा दे रही महिला पुलिसकर्मियों, पैरामेडिकल स्टॉफ और योग-स्वास्थ्य के क्षेत्र मे सेवाएं देने वाले योग शिक्षको को सम्मानित किया गया।जिसमें लोकबंधु नर्सिंग ऑफिसर योगाचार्य पं नवीन, पैरामेडिकल नर्सिंग स्टॉफ पारुल सिंह, महिला पुलिसकर्मियों मे सब-इंस्पेक्टर शालिनी सोनकर, हेड कांस्टेबल श्रीमती रविंदर पाठक, हेड कांस्टेबल वंदना, हेड कांस्टेबल ममता सिंह, हेड कांस्टेबल प्रभा सिंह, कांस्टेबल रश्मि गौतम, कांस्टेबल रूचि भदौरिया,कांस्टेबल माधुरी, कराटे कोच अजीत कुमार,योग शिक्षिका साक्षी सिंह, निहारिका यादव, तान्या रावत, पूजा पाठक, वर्षा दीक्षित, आशा मिश्रा,नीलम को शेरे-हिन्द पुरस्कार एवं वैदिक भारत रत्न अवार्ड 2026से सम्मानित किया गया ह्व इस कार्यक्रम का आयोजन नेशनल एंटी करप्शन एंड ह्युमन राइट कमेटी ऑफ इंडिया के संस्थापक नीरज श्रीवास्तव ने एक्सिस मैक्स लाइफ के हेड विवेक मणि मिश्रा, सीनियर ट्रेनिंग मैनेजर दर्शिता गुप्ता एवं मैनेजर सौरभ सिंह के सहयोग से किया। वैदिक भारत रत्न अवार्ड से सम्मानित योगाचार्य पं नवीन ने सम्बोधित करते हुए बताया की ड्यूटी के साथ-साथ समाज सेवा और राष्ट्र सेवा जीवन जीने की वास्तविक कला है ।

ग्राम मडोरी में शिवरात्रि पर निकली भगवान शिव की भव्य बारात

झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

गुरसरांय। ग्राम मडोरी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर समाजसेवी मान खान के नेतृत्व में भगवान भगवान शिव की भव्य बारात धूमधाम के साथ निकाली गई। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से ओत-प्रोत इस आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बारात का शुभारंभ गांव के प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत आरती के साथ किया गया। इसके बाद बारात पूरे गांव का भ्रमण करती हुई पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। बारात में पार्वती जी, नंदी जी सहित विभिन्न आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। डीजे, ढोल-नगाड़े, घोड़ा-बग्गी और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ निकली इस शोभायात्रा में भक्त नाचते-गाते हुए शामिल हुए। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भांग का दूध भी वितरित किया गया, जिससे उत्सव का उल्लास और बढ़ गया। आयोजक मान खान ने बताया कि यह धार्मिक परंपरा समाज में भाईचारा और आस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इस बारात को और अधिक भव्य रूप दिया जाएगा। रविवार सुबह 10 बजे प्रारंभ हुई यह शिव बारात पूरे गांव में भ्रमण करते हुए शाम लगभग 4 बजे संपन्न हुई, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

33 केवी लाइन में फाल्ट से बेंहदर क्षेत्र अंधेरे में डूबा

14 घंटे ठप रही बिजली, सैकड़ों गांवों में पेयजल संकट गहराया

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। शनिवार शाम 33 केवी लाइन में अचानक फाल्ट आने से पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। खराबी के चलते बेंहदर पावर हाउस से जुड़े बेंहदर टाउन, रिठवा सरेहरी, बहलोलपुर और माडर फीडरों से संचालित सैकड़ों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। करीब 14 घंटे तक बिजली गुल रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली न रहने से पेयजल संकट गहरा गया, क्योंकि अधिकांश गांवों में पानी की सप्लाई विद्युत चालित ट्यूबवेल और मोटरों के माध्यम से होती है। रात भर लोग अंधेरे में रहने को मजबूर रहे, वहीं मोबाइल चार्जिंग और अन्य जरूरी कार्य भी प्रभावित हुए। एसडीओ दिवाकर यादव ने बताया कि शनिवार शाम करीब 7 बजे संडीला से आने वाली 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया था, जिसके कारण आपूर्ति बाधित हो गई। विभागीय टीम ने रात भर मरम्मत कार्य किया। कड़ी मशक्कत के बाद रविवार सुबह करीब 9 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। आपूर्ति शुरू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

सैदपुर भितरी के तालवाली महाकाली मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि पर शिवलिंग की स्थापना, पूरे क्षेत्र व नगर में प्रतिमा को कराया गया भ्रमण

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले के सैदपुर मिजार्पुर ग्राम पंचायत के अल्लीपुर गांव स्थित तालवाली महाकाली मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के मौके पर भव्य आयोजन किया जाएगा। परिसर में ही स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में शिवलिंग स्थापना महाशिवरात्रि पर्व पर किया जाएगा। स्थापना से पूर्व शनिवार को पूरे नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें कई मील तक पैदल कलश यात्रा करते हुए सैकड़ों महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे। महाकाली मंदिर से निकली कलश यात्रा पैदल ही बहरियाबाद रोड से होते हुए कोतवाली व वहां से पुराने स्टेट बैंक तक पहुंची। वहां से पैदल ही मुख्य बाजार होते हुए मुख्य चौराहे से रंगमहल घाट तक पहुंचे। जहां विधि विधान से पूजा अर्चना की गई और सभी श्रद्धालु कलश में जल लेकर पुनः मंदिर के लिए चले। इस दौरान पूरे क्षेत्र की रक्षा की प्रार्थना के लिए सबसे आगे शिवलिंग एवं नंदी की प्रतिमा को नगर व क्षेत्र भ्रमण कराने के लिए रखा गया था। वहां से वो पुनः मंदिर पहुंचे। इस बाबत प्रधान संघ के अध्यक्ष रजई यादव ने बताया कि महाशिवरात्रि के मौके पर विधि विधान से शिवलिंग की स्थापना कर दी जाएगी। इस मौके पर पुजारी बचानू बाबा सहित युवा शक्ति संघ अध्यक्ष सुनील यादव, विनोद प्रजापति, बब्बल यादव, शंकर यादव, शिवपूजन यादव, राजेश यादव, पवन यादव, नंदलाल यादव आदि रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक- श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

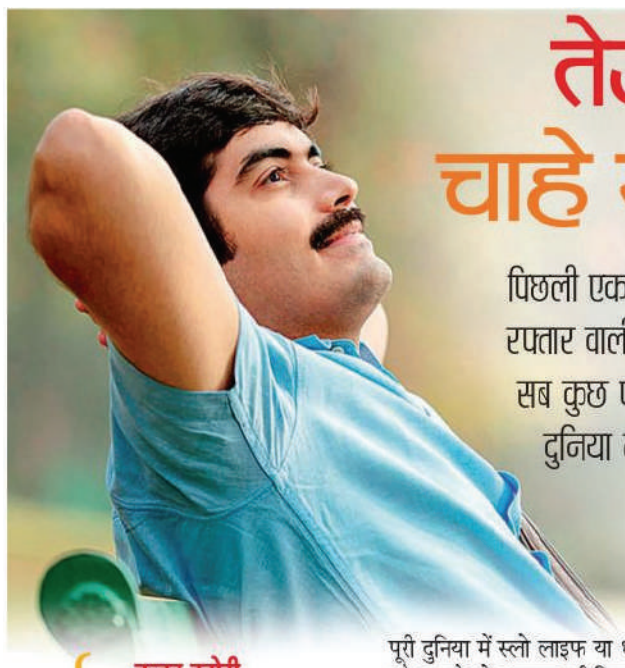

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

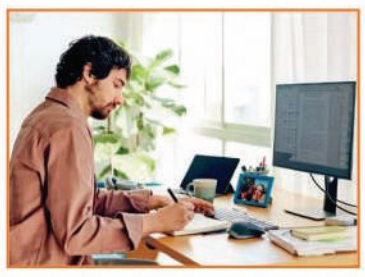

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दुनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

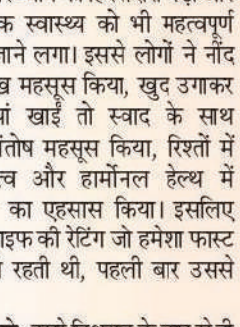

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।
मधुर गंध का बांटता, रस उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की गांठ।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है।

इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *